website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 304 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

घाटगेट बाज़ार व्यापार मंडल चुनाव 12 अक्टूबर 2025

आप अपना समर्थन, अपना अमूल्य वोट देकर विजय बनाए,
मैं नहीं आप, सदा आपके साथ,
चुनाव से पहले भी चुनाव के बाद भी आपके साथ

ज़ाकिर हुसैन लुहार
(अध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी) बैलेट न: 1

फैज़ मोहम्मद
महामंत्री पद हेतु, बेलेट न:- 3

राजकुमार पलड़िया
कोषाध्यक्ष पद हेतु, बेलेट न:- 5

हमारा विज़न, आपका विश्वास

(1) व्यापार आसान योजना
दुकानों के लाइसेंस, जीएसटी व स्थानीय टैक्स की परेशानियों के समाधान हेतु बूथ केंद्र शुरू करेंगे।

(2) पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था को व्यवस्थित करेंगे, समाधान करने हेतु स्मार्ट पार्किंग और ट्रैफिक प्रबंधन लागू करेंगे।

(3) ग्राहकों की सुविधाओं के लिए सुलभ कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी करेंगे तथा साथ ही साफ़ सफाई को भी व्यवस्थित करेंगे।

(4) त्यौहार बाजार उत्सव योजना
हर त्यौहारी सीजन में "फेस्टिव मार्केट फेयर" — जिससे बिक्री बढ़े और ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके।

(5) व्यापारी सम्मान दिवस
साल में एक दिन "व्यापारी गौरव समारोह" आयोजित कर उत्कृष्ट व्यापारियों का सम्मान किया जाएगा।

(6) महिला उद्यमी सशक्तिकरण मंच महिला व्यापारियों के लिए विशेष सहायता, प्रशिक्षण व मार्केटिंग सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

(7) रोजगार सृजन और युवा व्यापार मंच
युवाओं को व्यापार के लिए प्रेरित करने व नए अवसर देने हेतु "युवा व्यापारी मंच" का गठन।

(8) हर व्यापारी – एक परिवार अभियान
आपसी एकता, सहयोग और पारदर्शी कार्यशैली से बाजार को विकास की नई दिशा देना हमारा संकल्प।

"व्यापार बढ़े, बाजार खिले — हर व्यापारी खुशहाल मिले!"

मुख्यमंत्री ने त्यौहारी सीजन में साफ-सफाई और सजावट के दिए दिशा-निर्देश

- देवस्थान विभाग के मंदिरों में मनाई जाएगी —'पंचपर्व दीपावली'
- मंदिरों पर होगी विशेष सजावट
- राजकीय विद्यालयों में रंग-रोगन के साथ सघन रूप से की जाएगी साफ-सफाई,
- अतिवृष्टि प्रभावित 4 हजार स्कूलों को मरम्मत के लिए प्रति स्कूल 2 लाख रुपये की स्वीकृति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली त्योहार के मद्देनजर देवस्थान विभाग को मंदिरों में विशेष सजावट करने के साथ ही विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजकीय विद्यालयों के सौंदर्यीकरण सहित सार्वजनिक स्थानों पर समुचित रोशनी और सजावट के विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए हैं।

शर्मा ने दीपावली पर्व के पावन अवसर पर देवस्थान विभाग के अन्तर्गत सभी मंदिरों एवं प्रन्यास मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार देवस्थान विभाग द्वारा 'पंचपर्व दीपावली' का विशेष आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में दीपावली से पूर्व सभी मंदिर परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, दीपों और विद्युत सजावट से मंदिरों को आलोकित किया जाएगा। इस आयोजन के अन्तर्गत श्रद्धालुओं की सहभागिता से मंदिरों में सामूहिक दीप प्रज्वलन भी किया जाएगा, जिससे 'एक दीप सबके लिए' का संदेश प्रसारित होगा। पंचपर्व दीपावली में रंगोली, महाआरती एवं भक्ति संध्या, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, महाभोग का वितरण भी किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि नगरीय निकायों में पुरानी हो चुकी लाइटों के स्थान पर 2 लाख नवीन स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इसके लिए उन्होंने स्थानीय निकाय विभाग को टेण्डर प्रक्रिया शीघ्र संपादित करने के निर्देश दिए। इन लाइटों के लगने से सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी सुनिश्चित होने के साथ ही अपराधों की रोकथाम करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय विद्यालयों का रंग-रोगन करने के साथ ही, सघन रूप से साफ-सफाई की जाए, जिससे बारिश से प्रभावित विद्यालयों का नया रूप निखर कर आएगा। उन्होंने दीपावली त्योहार से पूर्व विद्यालयों की रंग-रोगन और मरम्मत सुनिश्चित करने के विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं। शर्मा के निर्देशानुसार 65 हजार विद्यालयों में मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इनमें 15 हजार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल को बॉयज फंड के माध्यम से रिपेयर किया जा रहा है। साथ ही, एक हजार 500 स्कूलों को स्टेट फंड से सुधारने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में अतिवृष्टि प्रभावित 4 हजार स्कूलों को 2 लाख रूपये प्रति स्कूल के हिसाब से मरम्मत के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है और 16 हजार अतिवृष्टि प्रभावित स्कूलों को यह स्वीकृति दी जा रही है। 23 हजार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल को राज्य वित्त आयोग की निधि से 25 हजार रुपये प्रति स्कूल की सहायता दी जा चुकी है।

राजीविका द्वारा इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान परिसर में सुमंगल–दीपावली मेला का आयोजन

जयपुर । ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा सुमंगल–दीपावली मेले का आयोजन इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान परिसर, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर में किया जा रहा है। मेले में विभिन्न प्रकार की पारंपरिक मिट्टी कला और शिल्प उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले में प्रदर्शित पारंपरिक क्ले प्रोडक्ट्स, ब्लैक पॉटरी और टेराकोटा उत्पादों में फ्लॉवर पॉट्स, वासेज़, दिया स्टैंड, गणेश जी वॉल हैंगिंग, टेबल्स, फाउंटेन्स, टॉयज़, शोपीसेज़, दही जमाने के बर्तन, सब्जी बनाने की हांडी, कॉफी एवं टी कप्स, टेप मटका और बोतलें जैसी विविध वस्तुएँ शामिल हैं। ये सभी उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल हैं और अलग-अलग निर्माण विधियों से तैयार किए गए हैं। विभिन्न प्रकार की मिट्टी और शिल्पकला एक मंच पर आकर न केवल राजस्थान की समृद्ध परंपरा को दर्शा रही है बल्कि यह स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों के सामूहिक उद्यम और कौशल को भी उजागर कर रही है। मेले में लगातार विभिन्न जिलों से आए स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्य हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, खाद्य उत्पादों और उन्नत तकनीक से निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रही हैं। आगंतुकों द्वारा इन उत्पादों को लेकर गहरी रुचि दिखाई जा रही है।

घाटगेट बाजार व्यापार मंडल
चुनाव में जाकिर हुसैन लुहार को
अपना मत व समर्थन देकर विजयी बनाएं

सना वसीम खान
पार्षद वार्ड 28, नगर निगम जयपुर हेरिटेज

भारत और यूके ने संचार क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी की

नई दिल्ली। भारत और यूके ने आज डिजिटल समावेश को आगे बढ़ाने और सुरक्षित एवं अभिनव संचार के भविष्य को आकार देने के लिए एक ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। भारत-यूके संचार-संपर्क और नवाचार केंद्र, उन्नत संचार-संपर्क में यूके और भारत में नवाचार की पूरक शक्तियों को एक साथ लाएगा – प्रयोगशाला परीक्षण और क्षेत्र परीक्षणों के साथ विश्वविद्यालयों के अत्याधुनिक अनुसंधान को बाजार में तैनाती माध्यम से जोड़ेगा। यह पहल बाजार द्वारा अपनाने के जरिये उद्योग भागीदारों को उत्पादों का नवाचार, परीक्षण और विस्तार करने में सक्षम बनाकर नए व्यावसायिक अवसर पैदा करेगी।

अगले चार वर्षों में, एक महत्वपूर्ण अवधि, जब 6जी के लिए तकनीकी और वाणिज्यिक मानदंड आकार लेंगे, केंद्र तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति को गति देगा:

· एआई के साथ दूरसंचार का रूपांतरण – नेटवर्क को अनुकूलित करने, दक्षता में सुधार करने और नई सेवाओं को पेश करने के लिए उन्नत एआई उपकरणों का उपयोग करना।

· गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन) – ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में विश्वसनीय, उच्च गति संचार-संपर्क प्रदान करने के लिए उपग्रह और हवाई प्रणालियों का विकास।

· दूरसंचार साइबर सुरक्षा – नेटवर्क सुरक्षा को मजबूत करना तथा व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए संचार प्रणालियों को अधिक सुदृढ़ और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए खुले और अंतर-संचालन योग्य समाधान विकसित करना।

संचार-संपर्क और दूरसंचार प्रौद्योगिकियाँ हमारी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों का महत्वपूर्ण आधार हैं। इन्हें एक ही मंच पर विकसित करने से दोनों देशों को आर्थिक और सुरक्षा संबंधी लाभ मिलने की उम्मीद है। भारत और यूके ने इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए चार वर्षों में संयुक्त रूप से 24 मिलियन पाउंड की प्रारंभिक राशि देने की प्रतिबद्धता जताई है। यह धनराशि स्थापित यूके और भारतीय अनुसंधान केंद्रों के बीच अनुप्रयुक्त अनुसंधान, उद्योग-शैक्षणिक साझेदारियों, संयुक्त परीक्षण केंद्रों और वैश्विक तकनीकी मानकों के विकास में लक्षित सहयोग को बढ़ावा देगी।

यूकेआरआई और दूरसंचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से यूके-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल के एक भाग के रूप में कार्यान्वित यह पहल, यूके-भारत अनुसंधान और नवाचार क्षेत्र में सहयोग का एक प्रमुख उदाहरण है और प्रधानमंत्री-प्रधानमंत्री 2035 विजन में निर्धारित साझा महत्वाकांक्षा को प्रतिबिंबित करती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सुप्रीम कोर्ट की पहल: सड़क अनुशासन और सुरक्षा की नई उम्मीद

देश में सड़क हादसे आज एक ऐसी त्रासदी बन चुके हैं, जिन पर हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। यह स्थिति सिर्फ किसी एक कारण से नहीं, बल्कि सामूहिक लापरवाही, अनुशासनहीनता और व्यवस्था की कमियों का परिणाम है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सड़क सुरक्षा के संबंध में दिए गए हालिया निर्देश न सिर्फ समय की मांग हैं, बल्कि इन्हें सख्ती से लागू किया जाना समाज के हर नागरिक की सुरक्षा के लिए जरूरी भी है। अदालत ने लेन में ड्राइविंग, हेलमेट की अनिवार्यता, सड़कों के डिजाइन और पैदल यात्रियों की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए हैं। अगर ये निर्देश ईमानदारी से लागू किए जाएं तो देश में सड़क हादसों में बड़ी कमी लाई जा सकती है। असलियत यह है कि भारत में अधिकांश लोग ट्रैफिक नियमों को सलाह की तरह लेते हैं, न कि अनिवार्य नियम के रूप में। लाल बत्ती पर रुकना, निर्धारित लेन में चलना, सीट बेल्ट और हेलमेट पहनना—ये सब बातें कानून में दर्ज हैं, लेकिन सड़क पर शायद ही कभी इनका पालन होता दिखाई देता है। यह सोच हमारे सामाजिक अनुशासन की कमी को भी उजागर करती है। वाहन चलाने वाला व्यक्ति मानता है कि थोड़ी जल्दबाजी या नियम तोड़ने से उसका समय बचेगा, जबकि यही लापरवाही कई बार जानलेवा साबित होती है। परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल देश में डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं। इनमें से सबसे अधिक संख्या पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों की होती है। ये वही लोग हैं जिनकी सुरक्षा को लेकर न तो चालक गंभीर होते हैं और न ही व्यवस्था। सड़कों का अव्यवस्थित डिजाइन, बिना ज़ेब्रा क्रॉसिंग के चौक, टूटी हुई सड़कों पर चलती तेज रफ्तार गाड़ियाँ—ये सब मिलकर हादसों को न्योता देते हैं। पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित फुटपाथ और उचित सिग्नल व्यवस्था का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। हादसों के पीछे एक और अहम कारण है ड्राइविंग में अनुशासन की कमी। अक्सर देखा जाता है कि लोग मोबाइल फोन पर बात करते हुए, ओवरस्पीडिंग करते हुए या शराब के नशे में वाहन चलाते हैं। यह प्रवृत्ति न सिर्फ खुद उनके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी खतरा बन जाती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन केवल कानूनी मजबूरी नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कठोर सजा दी जाए और इसके साथ ही लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाए। स्कूलों से लेकर ड्राइविंग लाइसेंस देने वाली संस्थाओं तक, हर स्तर पर ट्रैफिक अनुशासन को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। सड़कों पर निगरानी बढ़ाने के लिए कैमरों और ऑटोमैटिक चालान प्रणाली को भी सशक्त किया जाना चाहिए ताकि लापरवाह चालक नियम तोड़ने से पहले सौ बार सोचें।

ब्रिटेन के पीएम की भारत यात्रा: नए वैश्विक समीकरण बनाने का अवसर

-नए युग की ओर भारत-ब्रिटेन: व्यापार, तकनीक और भरोसे की कूटनीति

भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों की कहानी जितनी पुरानी है, उतनी ही गहराई और जटिलता से भरी हुई भी है। औपनिवेशिक अतीत का बोझ, स्वतंत्रता संग्राम की विरासत और साम्राज्यवाद के दर्दनाक अनुभवों ने इस रिश्ते को दशकों तक संवेदनशील बनाए रखा। परंतु समय ने जैसे-जैसे करवट बदली, वैसे-वैसे दोनों देशों ने एक-दूसरे को नई दृष्टि से देखना शुरू किया। आज जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर (Keir Starmer) भारत की यात्रा पर हैं, तो यह केवल एक औपचारिक राजनयिक दौरा नहीं, बल्कि 21वीं सदी के नए वैश्विक समीकरणों को आकार देने का एक ऐतिहासिक अवसर है। भारत अपने विजन 2035 के लक्ष्यों की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है—एक ऐसा विजन जिसमें देश को न सिर्फ एशिया बल्कि पूरे विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार करने का सपना है। ऐसे में ब्रिटेन जैसे अनुभवी और तकनीकी रूप से सशक्त राष्ट्र के साथ साझेदारी, भारत के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

औपनिवेशिक अतीत से आधुनिक साझेदारी तक की यात्रा

भारत और ब्रिटेन का रिश्ता किसी साधारण द्विपक्षीय संबंध की तरह नहीं रहा। यह एक ऐसा रिश्ता है जो साम्राज्यवाद, संघर्ष और सहयोग—तीनों से गुज़रा है। 1858 में जब ब्रिटेन ने भारत पर औपचारिक नियंत्रण स्थापित किया, तब दोनों देशों के बीच शक्ति का असंतुलन था। आज़ादी के बाद यह रिश्ता कई दशकों तक अविश्वास और सावधानी से भरा रहा। लेकिन 1990 के दशक में, जब भारत ने आर्थिक उदारीकरण (Liberalization) की राह पकड़ी, तब से यह रिश्ता नए दौर में प्रवेश करने लगा। ब्रिटेन ने धीरे-धीरे भारत को केवल अपने पूर्व उपनिवेश के रूप में नहीं, बल्कि एक तेज़ी से उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में देखना शुरू किया।

वहीं भारत ने भी ब्रिटेन को पश्चिमी दुनिया के एक अहम द्वार और तकनीकी-शैक्षिक सहयोगी के रूप में स्वीकार किया। आज दोनों देश एक-दूसरे के बिना अधूरे नहीं माने जा सकते—चाहे वह शिक्षा, निवेश, रक्षा, जलवायु परिवर्तन या आप्रवासन नीति का क्षेत्र क्यों न हो।

कीर स्टार्मर की यात्रा के बहुआयामी मायने

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की यह यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं है। इसके पीछे तीन बड़े उद्देश्य निहित हैं—रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी।

रणनीतिक मायने: भारत अब एशिया की नई शक्ति के रूप में उभरा है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, ब्रिटेन भारत को एक संतुलनकारी सहयोगी के रूप में देखता है। भारत की "एक्ट ईस्ट नीति" और ब्रिटेन की "ग्लोबल ब्रिटेन नीति" में कई समानताएँ हैं। दोनों राष्ट्र हिंद-प्रशांत (Indo-Pacific) क्षेत्र में मुक्त और निष्पक्ष व्यापार मार्ग बनाए रखने के पक्षधर हैं।

आर्थिक दृष्टिकोण: ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग होने की भारी आर्थिक चुनौतियाँ झेलनी पड़ी हैं। ऐसे में वह भारत जैसे बड़े बाजार के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर ज़ोर दे रहा है।

भारत के लिए भी ब्रिटेन एक अहम निवेशक और व्यापारिक साझेदार है। भारत और ब्रिटेन के बीच साल 2024 में 26 अरब डॉलर से अधिक का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। ब्रिटेन भारत में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक है। वहीं भारत ब्रिटेन में छठा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बन चुका है।

तकनीकी और शिक्षा सहयोग: ब्रिटेन की विश्वविद्यालय प्रणाली और शोध क्षमताएं विश्व में अग्रणी हैं। भारत और ब्रिटेन ने मिलकर "UK-India Tech Partnership" की शुरुआत की, जो स्टार्टअप्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वास्थ्य तकनीक पर केंद्रित है। कीर स्टार्मर की इस यात्रा में उम्मीद है कि दोनों देश शिक्षा और तकनीकी आदान-प्रदान को और मज़बूत करेंगे, जिससे भारत के विजन 2035 को वैज्ञानिक आधार मिलेगा।

विजन 2035: भारत का आत्मनिर्भर और नेतृत्वकारी भविष्य

भारत का "विजन 2035" केवल आर्थिक वृद्धि का खाका नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की योजना है। इसका लक्ष्य है—"सबका विकास, सबका भरोसा और सबका भविष्य"। इसमें पाँच प्रमुख स्तंभ हैं, जिनसे ब्रिटेन के साथ सहयोग की विशाल संभावनाएँ बनती हैं:

तकनीकी नवाचार और डिजिटल परिवर्तन

शिक्षा और कौशल विकास

स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा

हरित ऊर्जा और पर्यावरणीय संतुलन

वैश्विक कूटनीतिक नेतृत्व

इन प्रत्येक क्षेत्रों में ब्रिटेन की विशेषज्ञता और अनुभव भारत की गति को और तेज़ कर सकता है।

तकनीकी साझेदारी: डिजिटल युग का नया सेतु

भारत और ब्रिटेन दोनों डिजिटल अर्थव्यवस्था में अग्रणी बनने की दौड़ में हैं। भारत के पास बड़ी युवा आबादी और नवाचार की भूख है, तो ब्रिटेन के पास अनुसंधान, प्रयोग और नीति निर्धारण की क्षमता। दोनों देशों के बीच पहले से चल रही UK-India Tech Partnership अब "AI for All" और "Green Tech Mission" जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित हो रही है। ब्रिटेन की कंपनियाँ भारत में फिनटेक, साइबर सुरक्षा और हेल्थटेक के क्षेत्र में निवेश कर रही हैं। भारत ने ब्रिटिश कंपनियों को सेमीकंडक्टर निर्माण, ड्रोन तकनीक और बायोटेक में सहयोग के अवसर दिए हैं। यह सहयोग न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी है बल्कि यह भारत के डिजिटल आत्मनिर्भरता अभियान को भी बल देता है।

व्यापार और निवेश के नए रास्ते

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापारिक संबंध एक नए मोड़ पर हैं। दोनों देश फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) को लेकर लंबे समय से बातचीत कर रहे हैं। इस समझौते से भारतीय उत्पादों को ब्रिटिश बाज़ार में कम शुल्क पर प्रवेश मिलेगा, ब्रिटिश कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता वर्ग तक पहुँचने का अवसर मिलेगा। ब्रिटेन की कंपनियाँ भारत के हरित ऊर्जा, परिवहन, बैंकिंग, बीमा और डिजिटल सेवाओं में निवेश कर रही हैं। वहीं भारत की कंपनियाँ ब्रिटेन में रोजगार सृजन और तकनीकी निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ब्रिटेन में टाटा, इंफोसिस, विप्रो, महिंद्रा और एचसीएल जैसी भारतीय कंपनियाँ हजारों नौकरियाँ पैदा कर चुकी हैं। यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'विकासशील देश' नहीं बल्कि वैश्विक निवेशक शक्ति बन चुका है।

शिक्षा और मानव संसाधन का सेतु

ब्रिटेन और भारत के बीच शिक्षा और मानव संसाधन विकास का संबंध अत्यंत गहरा है। ब्रिटेन के विश्वविद्यालय—ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स—दशकों से भारतीय छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। वर्तमान में ब्रिटेन में करीब 1.4 लाख भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो किसी भी देश से आने वाले छात्रों में सबसे अधिक हैं। ब्रिटिश सरकार ने "Graduate Route Visa" के माध्यम से भारतीय छात्रों को पढ़ाई के बाद ब्रिटेन में काम करने की अनुमति दी है।

पदोन्नति से रिक्त हुए पदों को भरने में देरी से बच्चों की पढ़ाई चौपट

-बिना योजना की पदोन्नति से शिक्षा व्यवस्था में मचा हाहाकार, गुणवत्ता पर मंडराया खतरा

राजस्थान में शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर से सरकारी नीतियों की अव्यवस्था का शिकार बनती दिख रही है। दीपावली से पहले शिक्षा विभाग ने राज्यभर में 11,838 व्याख्याताओं को उप प्राचार्य पद पर पदोन्नत कर दिया। यह सुनने में एक बड़ी प्रशासनिक उपलब्धि लग सकती है, पर इसका असल असर बच्चों की पढ़ाई और स्कूलों की कार्यप्रणाली पर बेहद नकारात्मक पड़ा है। स्थिति यह है कि अब अनेक विद्यालयों में पांच से सात उप प्राचार्य एक साथ तैनात हैं, जबकि हजारों स्कूल ऐसे हैं जहाँ एक भी विषय व्याख्याता नहीं बचा। शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला यह कदम दिखाता है कि विभागीय योजना और दूरदर्शिता की भारी कमी है।

बिना योजना की पदोन्नति: व्यवस्था में असंतुलन

सरकारी महकमों में पदोन्नति एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है, जो कर्मचारियों की योग्यता, अनुभव और सेवा अवधि के आधार पर दी जाती है। लेकिन जब पदोन्नति बिना योजना के और रिक्त पदों को भरे बिना की जाती है, तो इसका असर केवल महकमे की कार्यप्रणाली पर नहीं बल्कि पूरे तंत्र पर पड़ता है। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने पिछले कुछ महीनों में बार-बार यही गलती दोहराई है। मई 2025 में भी 4100 व्याख्याताओं को उप प्राचार्य बनाया गया था, लेकिन आज तक उनकी काउंसलिंग पूरी नहीं हो पाई। अब उसी प्रक्रिया को दोबारा लागू कर दिया गया, जिससे शिक्षण संस्थानों में भारी असंतुलन पैदा हो गया है। जहाँ ज़रूरत नहीं वहाँ एक के बाद एक अधिकारी तैनात कर दिए गए, और जहाँ शिक्षक चाहिए वहाँ पद खाली छोड़ दिए गए। शिक्षा विभाग की इस जल्दबाजी का सीधा परिणाम यह है कि कई स्कूलों में अब पढ़ाने वाला कोई नहीं बचा, जबकि कुछ स्कूलों में केवल प्रशासनिक पदाधिकारी ही हैं।

शिक्षण की जगह प्रशासनिक काम: विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में

शिक्षा विभाग का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। लेकिन जब अनुभवी व्याख्याताओं को अचानक प्रशासनिक भूमिकाओं में स्थानांतरित कर दिया जाता है, तो कक्षाओं में शिक्षण कार्य बाधित हो जाता है। यह स्थिति केवल विद्यालयों में ही नहीं बल्कि कॉलेज स्तर पर भी देखने को मिल रही है। विषय विशेषज्ञों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई अधूरी रह जाती है। ऐसे में विद्यार्थी परीक्षा परिणामों में पिछड़ते हैं, और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी भी प्रभावित होती है। कई जिलों से रिपोर्ट आ रही है कि विज्ञान, गणित और अंग्रेज़ी जैसे महत्वपूर्ण विषयों में महीनों से नियमित कक्षाएँ नहीं लग पा रही हैं। शिक्षक पदोन्नति के बाद नई जगह जॉइन करने की प्रतीक्षा में हैं, जबकि उनके पुराने पदों पर कोई नहीं है। इस स्थिति में बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह चौपट हो गई है।

रिक्त पदों की भयावह स्थिति

राजस्थान में इस समय विद्यालय व्याख्याताओं के लगभग 45,000 पद रिक्त हैं। यह संख्या राज्य की कुल शिक्षकीय संरचना का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। यानी इतने बड़े पैमाने पर शिक्षकों की कमी के बावजूद, जो शिक्षक उपलब्ध थे उन्हें भी फाइलों में उलझा दिया गया। एक ओर सरकार "शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने" के दावे करती है, तो दूसरी ओर वह खुद ही पढ़ाई से शिक्षकों को दूर कर रही है। यह विरोधाभास केवल नीति निर्माण की कमी नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। राज्य सरकार ने पिछले तीन वर्षों में लगभग 6,000 स्कूलों को क्रमोन्नत किया है, यानी माध्यमिक से उच्च माध्यमिक विद्यालय बनाए हैं। लेकिन इन स्कूलों के लिए 18,000 नए पदों की स्वीकृति अब तक नहीं दी गई। इससे साफ़ है कि स्कूलों की संख्या तो बढ़ाई गई, पर शिक्षकों की संख्या घटा दी गई। परिणामस्वरूप एक ही शिक्षक को कई विषय संभालने पड़ रहे हैं या कभी-कभी एक पूरे स्कूल का भार कुछ ही शिक्षकों पर आ जाता है।

काउंसलिंग की देरी और पदस्थापन का असंतुलन

शिक्षा विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया के बाद "काउंसलिंग" यानी पदस्थापन का निर्धारण सबसे अहम चरण होता है। यह तय करता है कि किस अधिकारी या शिक्षक को किस विद्यालय में तैनात किया जाएगा।

लेकिन यही प्रक्रिया बार-बार अधूरी छोड़ दी जाती है। मई 2025 में हुई पदोन्नति की काउंसलिंग आज तक लंबित है, और अब अक्टूबर 2025 में नई पदोन्नतियाँ कर दी गईं। इससे पहले वाली पदोन्नति के लाभार्थी अपनी तैनाती को लेकर असमंजस में हैं, और नई लिस्ट ने स्थिति और उलझा दी है। यह दोहरी नीति "एक कदम आगे, दो कदम पीछे" की मिसाल बन चुकी है। काउंसलिंग समय पर न होने से शिक्षण कार्य अवरुद्ध रहता है। शिक्षक महीनों तक 'एडजस्टमेंट' की प्रतीक्षा में रहते हैं। विभाग के पास स्पष्ट नीति नहीं है कि किन स्कूलों में पहले नियुक्ति दी जाए और कहाँ पहले से पर्याप्त स्टाफ है।

नीतिगत दूरदर्शिता का अभाव

शिक्षा केवल एक विभागीय काम नहीं बल्कि राज्य के विकास की बुनियाद है। इस बुनियाद को मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कदम उठाना जरूरी होता है। लेकिन राजस्थान में हाल के वर्षों में यह योजना और दूरदर्शिता पूरी तरह गायब नज़र आ रही है। पदोन्नति के फैसले राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव में तो लिए जाते हैं, लेकिन इनका दीर्घकालिक असर कोई नहीं सोचता। अगर सरकार ने पहले से रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की होती, तो आज इतने बड़े पैमाने पर शिक्षकों की कमी नहीं होती। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) की भर्तियाँ सालों तक अटकी रहती हैं। परिणाम घोषित होने के बाद भी नियुक्तियाँ लंबित रहती हैं। ऐसे में जब तक नए शिक्षक स्कूलों में नहीं पहुँचते, तब तक पढ़ाई का नुकसान होता रहेगा।

विद्यार्थियों पर मनोवैज्ञानिक असर

शिक्षक केवल पढ़ाई नहीं कराते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। जब स्कूलों में शिक्षकों की लगातार अदला-बदली होती है या महीनों तक कक्षाएँ खाली रहती हैं, तो विद्यार्थियों में असुरक्षा और उदासीनता बढ़ती है। कई अभिभावक शिकायत कर रहे हैं कि उनके बच्चे स्कूल तो जाते हैं, पर नियमित पढ़ाई नहीं हो पा रही। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर है, क्योंकि उन्हें बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी होती है।

रिकॉर्ड स्तर पर गोल्ड: डॉलर की कमजोरी और युद्ध संकट से बढ़ी सोने की चमक

-सोने की कीमतों का गिरना अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर ही निर्भर करेगा

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने जिस तेज़ी से रिकॉर्ड तोड़े हैं, उसने न केवल निवेशकों को चौंकाया है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा पर भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं। यह चमकदार पीली धातु, जिसे सदियों से संपन्नता, स्थिरता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता रहा है, आज करीब 1.20 लाख रुपये प्रति दस ग्राम के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुकी है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना लगभग चार हजार डॉलर प्रति औंस के आसपास मंडरा रहा है — जो अपने आप में अब तक का सर्वाधिक स्तर है। यह उछाल किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक परिघटना बन चुका है। विश्वभर के निवेशक, सेंट्रल बैंक और आम उपभोक्ता — सभी सोने की ओर रुख कर रहे हैं। युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की कमजोरी ने मिलकर इस पीली धातु को फिर से निवेश का सबसे भरोसेमंद ठिकाना बना दिया है।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और सोने की उड़ान

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कई संकटों से जूझ रही है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव, यूरोप में ऊर्जा संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व में अस्थिरता और डॉलर की कमजोर स्थिति — ये सभी कारक निवेशकों को सुरक्षित विकल्पों की तलाश में धकेल रहे हैं। जब भी दुनिया में अनिश्चितता या भय का माहौल होता है, निवेशक अपनी पूंजी को ऐसे साधनों में लगाते हैं जिनका मूल्य स्थिर रहे या बढ़े। सोना सदियों से 'सेफ हेवन एसेट' यानी संकट के समय सुरक्षित निवेश का प्रतीक माना जाता है। डॉलर या शेयर बाजार की गिरावट के दौर में सोने की कीमतें प्रायः बढ़ जाती हैं क्योंकि लोग जोखिम से बचाव के लिए इसकी खरीदारी करते हैं। हाल ही में डॉलर की कमजोरी ने इस रुझान को और मजबूत किया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में स्थिरता या संभावित कटौती की उम्मीदों ने डॉलर को कमजोर किया है। डॉलर कमजोर होता है तो सोने की कीमतें स्वतः बढ़ जाती हैं, क्योंकि सोना डॉलर में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदा-बेचा जाता है।

सेंट्रल बैंकों की सोने के प्रति दीवानगी

एक दिलचस्प बात यह है कि अब सिर्फ निवेशक या आम लोग ही नहीं, बल्कि देशों के सेंट्रल बैंक भी बड़े पैमाने पर सोना खरीद रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद (World Gold Council) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में सेंट्रल बैंकों ने सोने की खरीद में रिकॉर्ड वृद्धि की है। चीन, रूस, तुर्की, भारत, पोलैंड और सिंगापुर जैसे देशों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर के बजाय सोने का हिस्सा बढ़ाया है। इसका एक बड़ा कारण डॉलर पर बढ़ती निर्भरता को कम करना है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने कई देशों को यह सोचने पर मजबूर किया कि अगर कल किसी राजनीतिक कारण से उन पर भी प्रतिबंध लगा दिया जाए, तो डॉलर में रखी उनकी संपत्ति असुरक्षित हो सकती है। सोना इस स्थिति में एक स्वतंत्र और सुरक्षित संपत्ति के रूप में उभरा है, जिसे किसी देश की नीति या प्रतिबंध प्रभावित नहीं कर सकते।

मांग और आपूर्ति का असंतुलन

सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का दूसरा बड़ा कारण इसकी आपूर्ति में कमी और मांग में इज़ाफा है। सोना दुनिया के केवल कुछ ही देशों में पाया जाता है — दक्षिण अफ्रीका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, चीन और कनाडा जैसे देशों में इसका प्रमुख खनन होता है। परंतु पिछले कुछ वर्षों में खनन गतिविधियों में गिरावट देखी गई है। खनन लागत बढ़ी है, पर्यावरणीय नियम सख्त हुए हैं और नई खदानों की खोज भी मुश्किल होती जा रही है। इसके विपरीत मांग लगातार बढ़ रही है — खासकर भारत, चीन और मध्य पूर्व में। सोने की इस मांग में आभूषण उद्योग का योगदान सबसे अधिक है, जबकि निवेश और सेंट्रल बैंकों की खरीदारी ने भी इसे और बढ़ा दिया है। जब मांग बढ़े और आपूर्ति घटे, तो अर्थशास्त्र का सरल सिद्धांत कहता है — कीमतें बढ़ेंगी। यही आज हो रहा है।

भारत की सोने से मोहब्बत

भारत का नाम सोने के साथ जुड़ा हुआ है। यहां सोना सिर्फ एक धातु नहीं, बल्कि परंपरा, प्रतिष्ठा और भरोसे का प्रतीक है। हमारी सामाजिक व्यवस्था में सोना बेटी के विवाह से लेकर धार्मिक अवसरों तक हर जगह अहम भूमिका निभाता है। राजा से लेकर आम आदमी तक, हर किसी की ख्वाहिश होती है कि उसके पास कुछ न कुछ सोना जरूर हो। भारत हर साल औसतन 700 से 800 टन सोना आयात करता है, जो उसके व्यापार घाटे (Trade Deficit) को बढ़ा देता है। क्योंकि सोने की इतनी बड़ी मात्रा में आयात से विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ जाती है। फिर भी, लोग इसे खरीदना बंद नहीं करते क्योंकि यह उनके लिए निवेश के साथ-साथ सुरक्षा का भी माध्यम है। महिलाओं के लिए सोना एक सुरक्षित जमा पूंजी की तरह होता है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं सीमित हैं, वहां सोना ही लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा का साधन बना हुआ है।

महामारी, युद्ध और संकट में सोने की भूमिका

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया लॉकडाउन में थी, अर्थव्यवस्थाएं ठप पड़ी थीं और शेयर बाजार धड़ाम हो गए थे — तब भी सोने की कीमतें ऊपर जा रही थीं। लोगों ने इसे 'इमरजेंसी फंड' के रूप में खरीदना शुरू किया।

क्योंकि जब दुनिया का भरोसा टूटता है, तो भरोसा सिर्फ सोने पर रह जाता है। इसी तरह, रूस-यूक्रेन युद्ध ने भी सोने की मांग को बढ़ाया। युद्ध का अर्थ है अनिश्चित भविष्य, महंगाई, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रा की अस्थिरता। इन सब परिस्थितियों में सोना ही सबसे सुरक्षित निवेश साबित होता है।

आर्मी-डे परेड की तैयारियां कार्ययोजना के अनुरूप करें पूर्ण

-आमजन देखेंगे आर्मी के शौर्य और बलिदान की गाथा- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को भारतीय थल सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाएगा। इस सम्पूर्ण आयोजन के माध्यम से आमजन को भारतीय थल सेना के शौर्य और बलिदान के गौरवशाली इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड का आयोजन भव्य और व्यापक रूप से किया जाएगा। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परेड भारतीय थल सेना और उसके वीर सैनिकों के पराक्रम और वीरता को प्रदर्शित करेगी। प्रशासन और अधिकारी इस आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने जयपुर जिला कलक्टर को जगतपुरा के महल रोड पर आर्मी-डे परेड से संबंधित सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड में शामिल होने वाले विशिष्ट गणमान्य, सैन्य अधिकारी और शहीदों के परिजनों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने पुलिस आयुक्त, जयपुर को परेड स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड और इससे संबंधित अन्य आयोजनों को देखकर विशेष रूप से युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल होगी।

8 से 15 जनवरी तक होगा उपकरण प्रदर्शन-

थल सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बैठक में बताया कि 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शन होगा। साथ ही, 15 जनवरी को ही आर्मी-डे परेड एवं सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सांस्कृतिक विविधता और शौर्य गाथा से संबंधित ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 7 दिसम्बर को जेएलएन मार्ग पर ऑनर रन का भी आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से महाराष्ट्र के प्रवासी राजस्थानियों ने की मुलाकात

-मुख्यमंत्री ने 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए किया आमंत्रित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर महाराष्ट्र से आए 'राजस्थान प्रकोष्ठ' के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान एवं महाराष्ट्र के मध्य सामाजिक एवं आर्थिक एक्सचेंज प्रोग्राम सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा, खनिज सम्पदा का भंडार, बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता और निवेश अनुकूल नीतियां है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से इस निवेश-परक वातावरण का लाभ उठाते हुए प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को उद्यम स्थापित करने में हरसंभव मदद करेगी। इस दौरान शर्मा ने आगामी 10 दिसम्बर को प्रस्तावित 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर 'राजस्थान प्रकोष्ठ' के अध्यक्ष संजय मंत्री, नंदकिशोर मालपानी सहित विभिन्न प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहे।

कुरानख्वानी के साथ मद्रासी बाबा का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स शुरू

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर पुलिस थाने के पास वाले मुस्लिम कब्रस्तान में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक हजरत मद्रासी बाबा रहमतुल्ला अलेह का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स 09 अक्टूबर 2025 गुरुवार से शुरु हो गया है। जो कि 11 अक्टूबर 2025 शनिवार को कूल की रस्म के साथ में विधिवत संपन्न होगा। मुतवली व सज्जादा नशीन खलीफा मोहम्मद सलीम ने बताया कि 09 अक्टूबर गुरुवार को सुबह 9 बजे कुरानख्वानी हुई रात्रि 9 बजे बाद में मिलादुन्नबी कमेटी द्वारा मिलाद शरीफ की गई। जिसमें खुदा के हुकम व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही गई।

इज़राइल के सहयोग से जोधपुर बनेगा देश में मॉडल

-उपचारित अपशिष्ट जल के सबसे कुशल पुन: उपयोग की दिशा में अग्रसर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत में इज़राइली दूतावास की जल अटैशे सुश्री नोआ अमसालेम ने गुरूवार को जोधपुर का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य सलावास सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) से उपचारित अपशिष्ट जल के सटीक एवं टिकाऊ कृषि उपयोग हेतु पुन: उपयोग से संबंधित एक सहयोगी परियोजना पर चर्चा करना था। इस दौरान जोधपुर नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी ने समीक्षा ली जिसमें जोधपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, रीको, कृषि और जल संसाधन विभाग, इज़राइली दूतावास के परियोजना भागीदार काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के प्रतिनिधि के अधिकारी उपस्थित रहे। इज़राइल दूतावास के वरिष्ठ जल विशेषज्ञ नीरज गहलावत ने बैठक में वर्चुअली भाग लिया और इज़राइल के अपशिष्ट जल पुन: उपयोग के अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता साझा की। पालानीचामी ने इज़राइली टीम के तकनीकी सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि जोधपुर नगर निगम उपचारित अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग और सतत जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने सलावास एस.टी.पी. का दौरा किया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल की क्षेत्रीय अधिकारी सुश्री कामिनी सोंगरा और पवन कुमार ने संयंत्र की कार्यप्रणाली एवं उपचारित जल की गुणवत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। सुश्री नोआ अमसालेम ने उपचारित जल की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि यह जल गुणवत्ता इज़राइल में प्राप्त गुणवत्ता के समान है। यदि प्रत्यक्ष पुन: उपयोग की व्यवस्था विकसित की जाए तो लगभग 2,500 हेक्टेयर कृषि भूमि को इस उच्च गुणवत्ता वाले जल से सिंचित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इज़राइल अपने 90 प्रतिशत से अधिक अपशिष्ट जल का उपचार करता है और उसका अधिकांश भाग कृषि सिंचाई में पुन: उपयोग किया जाता है। यह मॉडल विश्व स्तर पर सतत एवं कुशल जल प्रबंधन के सर्वोत्तम उदाहरणों में से एक माना जाता है।

मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के हंसराज तिराहा पर गुरुवार को वंचित, शोषित और पिछड़े समाज के मसीहा मान्यवर कांशीराम जी की 19 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने पुष्प अर्पित कर कांशीराम जी के संघर्षों और विचारों को नमन किया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन मोहनपुरिया ने कहा कि कांशीराम जी ने समाज को जागरूक करने का जो आंदोलन शुरू किया, उसने देश की राजनीति और सामाजिक चेतना की दिशा बदल दी। उन्होंने वंचितों को संगठित कर बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय का जो सपना देखा, वह आज भी समाज को प्रेरणा देता है। इस प्रकार कार्यक्रम में महेश जड़वाल, गणपत खटुमरिया, बालूराम यादव, पांचूराम बेनीवाल (बोबाड़ी), हीरालाल धानका, राजेंद्र मोहनपुरिया, सुनील लाईटवाला, लीलाराम रैगर सहित अनेक समाजसेवी व युवा मौजूद रहे। वही सभी ने एकस्वर में कहा कि कांशीराम जी का जीवन और उनकी विचारधारा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान अंत में सभी उपस्थितजनों ने उनके मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पैंतालीस बीघा सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 में करीब 40 बीघा जेडीए स्वामित्व की बेषकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जिसकी कीमत 80 करोड़ रूपये आंकी गई है। साथ ही जोन-13 में हिंगोनिया गौषाला के करीब 05 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित आगरा रोड़, ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ रोपाड़ा, आसाराम बापू आश्रम के पीछे, खो नागोरियान क्षेत्र में जेडीए स्वामित्व की करीब 40 बीघा बेषकीमती सरकारी भूमि के खसरा नं. 306, 364, 426, 427, 439 से 443 तक स्थानीय काष्तकारों द्वारा अतिक्रमण कर बनाई गई बाउण्ड्रीवाल, टीनषेडनुमा कोठरियां, मिट्टी की डोल बनाकर, सीमेन्ट के पिल्लर, झाडियां लगाकर, तारबंदी कर अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-10 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ, तहसीलदार, पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर बेषकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त भूमि की अनुमानित कीमत करीब 80 करोड रूपये है। जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित आगरा रोड़ के पास ग्राम सिंदोली, सांभरीया रोड़, जिला जयपुर के खसरा नं. 334 हिंगोनिया गौषाला की करीब 05 बीघा सरकारी भूमि पर स्थानीय काष्तकारों द्वारा अतिक्रमण कर मिट्टी की डोल बनाकर, सीमेन्ट के पिल्लर लगाकर, तारबंदी कर, भूमि को समतल कर मिट्टी डालकर रास्ता बना रखा था। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-13 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ, तहसीलदार, पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर गौषाला की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर गुरूवार को समीक्षा बैठक कर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, ऑनलाइन सर्विसेज़, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरण, संपर्क पोर्टल, बजट घोषणा सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र कुमार बंसल सहित जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी ने सभी जोन उपायुक्तों से कहा कि प्रतिदिन फील्ड में जाए, मुख्य मार्गों सहित विभिन्न स्थानों की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करें। दीपावली पर्व से पूर्व मुख्य मार्गों पर सफाई अभियान चलाकर सफाई की जाए तथा रोडसाइड कचरा पात्र भी लगवाये जाये। कचरा डिपो/जीवीपी पॉइंट (गारबेज वल्नरेबल पॉइंट) को शीघ्र सफाई कर उनका सौंदर्यीकरण किया जाए। खराब लाइटों को दुरूस्त कर नई लाइटें भी लगाई जाए।

गौरतलब है कि नगर निगम ग्रेटर की टीमों द्वारा अब तक समस्त जोनों एवं वार्डों में कुल 648 ओपन कचरा डिपो में से 558 ओपन कचरा डिपो समाप्त कर दिए गए हैं। साथ ही शेष 90 ओपन कचरा डिपो की समाप्ति भी टीमों द्वारा की जा रही है। जिससे उन्हें शीघ्र समाप्त कर उनका सौंदर्यीकरण किया जाए। आयुक्त ने मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पात्र आवेदकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आयुक्त ने संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। ऑनलाइन प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, नगरीय विकास कर के संबंध में कैंप की प्रगति रिपोर्ट, आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए की जा रही फोगिंग संबंधी गतिविधियों के संबंध में चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में विद्त शाखा द्वारा पिछले माह में हैल्प लाईन पर प्राप्त 7861 शिकायतें प्राप्त हुई थी जिसमें से 7813 शिकायतें निस्तारण करवा दिया गया है। विद्त शाखा द्वारा रोजाना रात्रिकालीन निरीक्षण कर बन्द लाईटों, सर्किटों को तत्परता से दुरूस्त करवाने का कार्य भी किया जा रहा है। विद्त शाखा द्वारा नई लाईटें लगाने हेतु 11477 नई लाईटें लगाने के कार्यादेश जारी किये जा चुके है जिसमें से 5220 एलईडी लाईटें नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में लगायी जा चुकी है। शेष लाईट्स दीपावली पर्व से पूर्व निगम क्षेत्राधिकार के वार्डो में लगवा दी जावेगी। उन्होंने बताया कि 10 हजार नग नई एलईडी लाईटें लगाये जाने का कार्य के प्रस्ताव भी प्रक्रियाधीन है।

झालावाड़ पुलिस की बड़ी सफलता- अन्तर्राज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का पर्दाफाश

-6 लोडेड हथियार और 8 कारतूस बरामद, दो हिस्ट्रीशीटर सहित 6 गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले की झालरापाटन पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक अन्तर्राज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 6 अवैध लोडेड देशी हथियार पिस्टल और कट्टे और 8 जिन्दा कारतूस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में थाना सदर झालावाड़ का हिस्ट्रीशीटर नन्दलाल उर्फ नन्दा गुर्जर और सुसनेर मध्यप्रदेश का हिस्ट्रीशीटर हाफीजुल्ला उर्फ हाफिज खान भी शामिल हैं, जो लोडेड अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए हैं। इन दोनों बदमाशों के विरुद्ध राजस्थान और मध्य प्रदेश के विभिन्न थानों में गंभीर प्रकृति के करीब ढाई दर्जन अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

सरगना लालू खटीक सहित 6 धरे गए —

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा और पुलिस उप अधीक्षक हर्षराज सिंह खरेडा के सुपरविजन में थानाधिकारी हरलाल मीणा के नेतृत्व वाली विशेष टीम को झालरापाटन निवासी लालचन्द उर्फ लालू खटीक (35) के अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में लिप्त होने की सूचना मिली थी। इनपुट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 07 और 08 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और गिरोह के सभी छह सदस्यों को लोडेड हथियारों के साथ धर दबोचा। गिरोह के सरगना लालचन्द उर्फ लालू खटीक (35) निवासी झालरापाटन को भैरूपुरा बस्ती से एक देशी पिस्टल मय 2 जिन्दा कारतूस के साथ, हिस्ट्रीशीटर नन्द लाल उर्फ नन्दा गुर्जर (23) निवासी चांदियाखेड़ी को दूध डेयरी तिराहे के पास से एक देशी पिस्टल मय 2 जिन्दा कारतूस के साथ और हिस्ट्रीशीटर हाफीजुल्ला उर्फ हाफिज खान (35) निवासी सुसनेर जिला आगर एमपी को पूर्वज होटल के पास से एक देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार देव सिंह गुर्जर (58) व बालसिंह गुर्जर (40) निवासी भालता को पुराना टोल नाका तिराहा से 12 बोर के एक-एक देशी कट्टा मय 1-1 जिन्दा कारतूस के साथ और रामनारायण दांगी (67) निवासी रायपुर जिला झालावाड़ को माधोपुर पुलिया के पास से एक 12 बोर के देशी कट्टा मय 2 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।

मिलावट के खिलाफ अभियान- खो नागोरियान में पकड़ा मिलावटी मिल्क केक का कारखाना

-650 किलो मिल्क केक एवं अन्य सामग्री नष्ट की, भारी मात्रा में कच्चा माल जब्त

-10 हजार किलो केक बनाकर बेचने की थी तैयारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में त्योहारी सीजन को देखते हुए शुद्ध आहार, मिलावटर पर वार के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गुरूवार को जयपुर के खो—नागोरियान में मिलावटी केक की फेक्ट्री पकड़कर 650 किलो केक नष्ट करवाया गया एवं भारी मात्रा में कच्चा माल जब्त किया गया। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि दीपावली के त्योहार के दृष्टिगत अलग—अलग टीमें बनाकर मिलावट के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सामग्री विशेषकर घी,तेल, मसाले,पनीर,मावा, मिठाइयों की निर्माण इकाइयों एवं विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अभियान के तहत गुरूवार को ज्वाइंट कमिश्नर खाद्य सुरक्षा डॉ. वीपी शर्मा एवं सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल के नेतृत्व में टीम ने खो नागोरियान में मिलावटी केक की फैक्ट्री पकड़ी। टीम ने खो नागोरियान में ढींगा वाली ढाणी स्थित मिल्क केक के एक कारखाने पर कार्रवाई करते हुए 650 किलो मिलावटी केक नष्ट करवाया। यह कारखाना बिना फूड लाइसेंस के चलाया जा रहा था। मौके पर सूजी, मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, लिक्विड ग्लूकोज और फिटकरी डालकर मिलावटी मिल्क केक बनाया जा रहा था। आगरा रोड,नाई की थड़ी, दिल्ली रोड, जामडोली, रामगढ़ रोड के मिठाई विक्रेताओं को यह केक 250 रूपये किलो बेचा जा रहा था। दुकानदार इसे 400 रुपए किलो तक बेचते हैं। मौके पर 2300 किलो चीनी, 1150 किलो सूजी, 90 किलो मिल्क पाउडर, 600 किलो लिक्विड ग्लूकोज, 21 टिन रिफाइंड सोयाबीन तेलत था 2 किलो फिटकरी जब्त की गई। दीपावली पर लगभग 10 हजार किलो मिलावटी मिल्क केक बनाकर बेचने की तैयारी थी।

स्काउट और गाइड विद्यार्थियों में अनुशासन की आदत विकसित करने में सहायक- शिक्षा मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्काउट और गाइड की सेवा अवधि विद्यार्थियों में अनुशासन की आदत विकसित करने में सहायक है, यह उन्हें बेहतर नागरिक बनाने में भी प्रभावशाली है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरूवार को उदयपुर में एक कार्यक्रम में यह बात कही। उनके उदयपुर आगमन पर हिंदुस्तान स्काउट और गाइड राजस्थान राज्य के पदाधिकारियों की उपस्थिति मे रा.बा.उ.मा वि. छानी, ब्लॉक नया गाव में ब्लॉक प्रभारी अमृत लाल मेघवाल, प्रियंका कलाल नागफनी कॉलेज के नेतृत्व में स्काउट गाइड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रोटोकॉल के साथ स्वागत किया गया। आरएनटी मेडिकल कॉलेज में उदयपुर एवं सलूंबर जिले के शिक्षा अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम में सहायक राज्य संगठन आयुक्त प्रदीप मेघवाल द्वारा स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। इसी अवसर पर शासन सचिव स्कूल शिक्षा, जयपुर कृष्ण कुणाल (आईएएस) भी उपस्थित रहे। इस दौरान राज्य सचिव हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान राज्य नरेंद्र आदित्य, रिपु दमन सिंह गिल राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट), प्रदीप मेघवाल सहायक राज्य संगठन आयुक्त उदयपुर सम्भाग, शांता वैष्णव (डीओ) उदयपुर रमा जैन ईश्वरी रेगर, तुलसी चंदा भी उपस्थित रहे।

शाहपुरा में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान

-हर कार्यकर्ता बनेगा संगठन की आवाज़: विजय इंदर सिंगला

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को एक प्रभावशाली बैठक हुई। कार्यक्रम में कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक, पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री व सांसद विजय इंदर सिंगला मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संगठन लोकतांत्रिक परंपराओं पर टिका है, और अब हर कार्यकर्ता को नेतृत्व तय करने का अधिकार मिल रहा है। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने जोशीले अंदाज़ में कहा संगठन जनता की ताकत से बनता है, न कि किसी कुर्सी से। अब वक्त है कि मेहनतकश और जमीनी कार्यकर्ता को सम्मान मिले। कांग्रेस तभी मज़बूत होगी जब निर्णय पारदर्शी और जनभावनाओं के अनुरूप होंगे। वहीं विधायक मनीष यादव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है और संगठन सृजन अभियान आम कार्यकर्ता की आवाज़ को ताकत दे रहा है। पूर्व विधायक गोपाल मीणा ने कहा कि यह अभियान कांग्रेस में पारदर्शिता और जनभागीदारी का उदाहरण है, जिसका मकसद है हर स्तर पर समर्पित नेतृत्व तैयार करना।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

आरटीई भौतिक सत्यापन दलों को दिया प्रशिक्षण

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल डूडी के निर्देशन में निजी शिक्षण संस्थानों में आरटीई के तहत निशुल्क प्रवेशित विद्यार्थियों के भौतिक सत्यापन के लिए गठित दलों को पंचायत समिति सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत चोटिया ने बताया कि सत्यापन दल को अवलोकन के लिए बालकों के आवेदन पत्र, आय प्रमाण पत्र, रिपोर्टिंग प्रपत्र, रसीद बुक, कैश बुक, एस आर रजिस्टर आदि विद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाए जाएंगे। दक्ष प्रशिक्षक प्रधानाचार्य संजीव धेतरवाल ने आरटीई के दिशा निर्देशों को विस्तार से व्याख्यान दिया तथा बताया कि भौतिक सत्यापन प्रक्रिया के अंतर्गत गैर सरकारी विद्यालयों की प्रवेशित पूर्व प्राथमिक कक्षा से कक्षा 8 व वीर बाला काली बाई भील बालिका पुनर्भरण एवं मुख्यमंत्री बालक फीस पुनर्भरण योजना के तहत प्रवेशित कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत छात्र छात्राओं से संबंधित दस्तावेज का सत्यापन नियुक्त सत्यापन दल द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षक प्रधानाचार्य संजीव धेतरवाल और बन्ने सिंह लाम्बा द्वारा 153 दलों के अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान आरपी विनय कुमार सोनी, राजेंद्र सिंह राजावत, प्रीतम बेनीवाल, अजय पंवार सहित सत्यापन दलों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

कांग्रेस कमेटी (विधि प्रकोष्ठ) के जिला उपाध्यक्ष बने एडवोकेट दिलीप सैनी एवं एडवोकेट कमल पंवार

चूरु (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (विधि मानवाधिकार एवं आरटीआई) प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट कुलदीप सिंह पूनिया के निर्देशानुसार चूरू जिला कांग्रेस कमेटी (विधि मानवाधिकार एवं आरटीआई प्रकोष्ठ) के जिला अध्यक्ष एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने चूरू के एडवोकेट दिलीप सैनी एवं एडवोकेट कमल पंवार को चूरू जिला कांग्रेस कमेटी (विधि मानवाधिकार एवं आरटीआई प्रकोष्ठ) का जिला उपाध्यक्ष पद पर उत्तरदायित्व प्रदान किया गया है।एडवोकेट दिलीप सैनी एवं एडवोकेट कमल पंवार की नियुक्ति पर चूरू कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर एडवोकेट दिलीप सैनी एवं एडवोकेट कमल पंवार ने कहा कि हम कांग्रेस पार्टी की विचारधारा एवं रीति नीति का प्रचार प्रसार कर संगठन को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाने में अपना योगदान प्रदान करेंगे।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को गरीबा रत्न अवार्ड से नवाजा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा व अखिल भारतीय गरीबाधाम सेवा संस्थान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में महान संत आचार्य गरीब साहेब की 55 वीं स्मृति दिवस पर जयपुर श्याम नगर में स्थित गुलाब इंडियन मैरिज गार्डन में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं गरीबा रत्न अवार्ड समारोह आयोजित हुआ। समारोह में सेवानिवृत एएसपी अनिल गोठवाल, राजस्थान पुलिस इंस्पेक्टर उर्फ पीके मस्त ब्रांड एम्बेसडर प्रवीण कुमार मीणा, जन अधिकार सेना सीकर के जिला महासचिव उम्मेद सिंह, हास्य कवि गोंविन्द हांकला, गीतकार(सूत्रधार) कवि देवकरण मेघवंशी, वीररस व प्रकृति कवि प्रहलाद चांडक, बिहार से गीत गजल मधुबनी उषा दास, कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक गुलाब लाड़ना, अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा के राष्ट्रीय संयोजक व कार्यक्रम संयोजक बी.एम. रोजड़े, अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव शंकर छत्रपति, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. गोपाल लाल सरावता, प्रदेश महामंत्री जगदीश आसरावत, प्रीति चौधरी ने चौमूं विधानसभा के ग्राम टांकरड़ा निवासी समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को गरीबा रत्न अवार्ड से नवाजा गया।

घाघु के अक्षत को गोल्ड सहित दोहरी सफलता, निखिल तीसरे स्थान पर रहे

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शहीद राजेश कुमार फगेड़िया राउमावि घांघू के अक्षत नागवाण ने ज़िला स्तरीय ट्रिपल जम्प में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए लंबी कूद में भी सिल्वर मेडल प्राप्त कर दोहरी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक शफी मोहम्मद ने बताया कि राजगढ़ में चल रही 69 वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विद्यालय के सात सदस्यों का दल भाग ले रहा है। उन्होंने बताया कि अक्षत के अलावा निखिल रेवाड़ ने 5 किमी वॉक में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा अन्य विद्यार्थी भी सराहनीय प्रदर्शन कर रहे हैं उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा तैयार करवाए गए विद्यालय खेल मैदान का छात्रों को भरपूर लाभ मिल रहा है और भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं आगामी समय में और भी अच्छे खिलाड़ी गांव के विद्यालयों से निकलने की उम्मीद है। अक्षत एवं निखिल की कामयाबी पर ग्राम पंचायत प्रशासक विमला देवी, प्राचार्य प्रताप कुमावत, सामाजिक कार्यकर्ता महावीर नेहरा, बीरबल नोखवाल, केसर देव प्रजापत, रामलाल फगेड़िया, पूर्व एथलीट हरफूल सिंह सहित ग्रामीणों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

भारत विकास परिषद- गुरु वंदन छात्र अभिनंदन

-छात्र-छात्राओं से कहा जीवन पर्यन्त धूर्मपान न करें राकेश जांगिड़

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारत विकास परिषद्, चूरू द्वारा गुरुवार को शिव चन्दा मेटल चूरू के प्रोपराइटर राकेश जांगिड़ के आर्थिक सहयोग से गीतांजलि पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चूरू में गुरु वन्दन– छात्र अभिनन्दन के 17 वें चरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जहां एक तरफ़ विद्यालय की बोर्ड कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त विधार्थियों में कृतिका धानुका, नेहा, वैशाली पंसारी, दिव्या गोसाई, हितेशिका पंसारी का अभिनंदन किया गया वहीं दूसरी तरफ़ विद्यालय के श्रेष्ठ गुरुजनों में राकेश यादव, पंचम शर्मा, दिवाकर शर्मा, लीलावती शर्मा एवं संस्था प्रधान वंदना गौतम को स्मृति चिन्ह, दुपट्टा व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन दामोदर गौतम ने परिषद के सदस्यों का विद्यालय परिवार में स्वागत कर परिषद् द्वारा किए जाने वाले सेवा एवं संस्कार कार्यों की प्रशंसा की । परिषद अध्यक्ष उमेशचन्द्र चौहान ने भारत विकास परिषद की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाल कर भारत की गुरु शिष्य परंपरा पर उद्बोधन दिया। संस्कार संयोजक ओम प्रकाश इंदौरिया ने विद्यार्थियों को देश हित में काम करके देश के विकाश में भागीदारी देने का आवाह्न किया। राकेश जांगिड़ ने छात्र –छात्राओं को जीवन प्रयन्त धूम्रपान न करने व नारी जाति का सम्मान करने की शपथ दिलवाई । शाखा सचिव संदीप शर्मा, एडवोकेट ने विद्यालय एवं गुरुजनों को धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम का संचालन निरंजन कुमार चोटिया ने किया । इस अवसर पर कोषाध्यक्ष पवन कुमार जांगिड़ एवं हनुमान प्रसाद प्रजापत व विद्यालय के अन्य स्टाफ ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सहयोग किया ।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली के मार्गदर्शन में माननीय रालसा द्वारा जारी एक्शन प्लान अनुसार विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय के पैरालीगल वॉलिंटियर मांगीलाल तंवर द्वारा ग्राम पंचायत, गुडलाई में एवं महेन्द्र सिंह दहिया एवं पोकरराम द्वारा विद्यालयों में किया गया। इसके अतिरिक्त तालुका विधिक सेवा समिति के पैरालीगल वॉलिंटियर द्वारा भी विभिन्न जगहों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें पैरालीगल वॉलिंटियर द्वारा बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक स्वास्थ्य जितना हमारे लिए जरूरी है, उतना ही महत्व मानसिक सेहत भी रखती है। बदलते जीवन जीने के तरीके के चलते स्ट्रेस और डिप्रेशन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज के समय में युवा पीढ़ी से लेकर बच्चे भी तनाव के चपेट में आ रहे हैं। इसीलिए मानसिक सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पूरी दुनिया में 10 अक्टुबर को वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम "सेवाओं तक पहुंचः आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य" है। इसके साथ ही मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2024 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मेंटल हेल्थकेयर एक्ट, 2017 के बारे में भी बताया। इसके अतिरिक्त विधिक सेवा प्राधिकरण के आयाम, निःशुल्क विधिक सहायता, टोल फ्री नम्बर 15100 पर निःशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम के तहत महिलाओं के अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार व उनके हितार्थ बनी जनकल्याणकारी योजनाएं, नालसा द्वारा संचालित नवीन योजनाओं, माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए इनसे जुड़े जागरूकता से संबंधित पैम्पलेट्स भी वितरित किए गए।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का शुभारंभ

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजकीय मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को मनोचिकित्सा विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के सहयोग से विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस वर्ष का विषय था— "मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच – आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य।" कार्यक्रम का आरंभ डॉ. ओ.पी. सोलंकी के प्रेरणादायक व्याख्यान से हुआ, जिसका विषय था "मानसिक स्वास्थ्य एवं डिजिटल डिटॉक्स।" उन्होंने बढ़ते स्क्रीन समय, सोशल मीडिया पर निर्भरता और उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों को विस्तार से समझाया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे डिजिटल उपकरणों के प्रयोग को सीमित करें, वास्तविक जीवन में जुड़ाव बढ़ाएं और मानसिक संतुलन बनाए रखें। व्याख्यान के अंत में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने प्रतिदिन कम से कम दो घंटे डिजिटल डिटॉक्स करने का संकल्प लिया। छात्रों ने इस समय का उपयोग आत्म-देखभाल, परिवार के साथ समय बिताने और रचनात्मक गतिविधियों में लगाने का वचन दिया। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वीडियो निर्माण प्रतियोगिता में गुंजन की टीम प्रथम व रजनीश की टीम द्वितीय रही। कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता में कुमकुम व मुकेश की टीम संयुक्त रूप से प्रथम रही, जबकि अंजलि और मनोहर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। स्लोगन एवं लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में तथागत और यास्मीन की टीम ने प्रथम तथा आसमा और मनोहर की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन "लव यू जिंदगी – सेलिब्रेटिंग लाइफ" विषय पर आयोजित अंताक्षरी प्रतियोगिता से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। डॉ. सुमन जैन ने सभी गतिविधियों के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में डॉ. अतुला, डॉ. अनुश्री, डॉ. निकिता, डॉ. पूजा, डॉ. सुनील, डॉ. मोहित, डॉ. हर्षिता, डॉ. सूरज, नवल किशोर और मीनाक्षी उपस्थित रहे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। अंत में सीएमएचओ कार्यालय के प्रतिनिधियों व शिक्षकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना की।

गीतांजली नर्सिंग कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर 2025) के उपलक्ष में नर्सिंग कॉलेज के छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित अवधारणाएँ कम करने तथा मानसिक बीमारियों के बारे में जानकारी प्रदान करने उदेश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जीनगर का कहना था कि "मानसिक बीमारी किसी को भी हो सकती है, कोई भी इससे अछूता नहीं है यह बीमारिया किसी भी उम्र, जाती-धर्म, गांव- शहर, अमीर-ग़रीब के व्यक्ति को हो सकती हैं " आचार्य डॉ. मनु शर्मा ने कहा कि "जिस प्रकार शारीरिक बीमारियों होती है उसी प्रकार से मानसिक बीमारिया भी होती है हमे सिर्फ समय रहते मनोचिकित्सक की सलाह लेनी चाहिये।" इसके अतिरिक्त डॉ. भक्ति मुरके, डॉ. धीरज गोया, डॉ. राजीव रंजन राज एवं डॉ. गौरव पुरोहित ने छात्रो को संबोधित किया और मानसिक रोगों से जुड़ी भ्रांतियों, समाज में बढ़ रहे नशे, मोबाइल एडिक्शन एवं मानसिक बीमारियों में काम ली जाने वाली दवाई के बारे में, नर्सिंग कर्मी एवं स्वास्थ्य संयोगियों की सहभागिता, जिम्मेदारियों के निर्वहन के विषय में चर्चा की गई।

विद्या संबल योजना के तहत छात्रावासों में कोचिंग हेतु गेस्ट फैकल्टी के आवेदन आमंत्रित

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विद्यालय स्तरीय छात्रावासों में कठिन विषयों की कोचिंग के लिए विद्या संबल योजना के अंतर्गत गेस्ट फैकल्टी की सेवाएं ली जाएंगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया ने बताया कि यह व्यवस्था जिले के राजकीय अम्बेडकर छात्रावास नवलगढ़, मुकुंदगढ़, मंडावा, झुंझुनूं प्रथम, झुंझुनूं द्वितीय, बगड़, चिड़ावा, सूरजगढ़, पिलानी, उदयपुरवाटी, खेतड़ी, महरमपुर बुहाना एवं राजकीय सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास, झुंझुनूं गुढ़ा पौख में लागू होगी। इन छात्रावासों में कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों की कोचिंग प्रदान की जाएगी। प्रत्येक छात्रावास में एक गेस्ट फैकल्टी नियुक्त की जाएगी, जो प्रतिदिन शाम 6 से 7 बजे तक एक घंटे का अध्यापन कार्य करेगी। राजकीय बालिका छात्रावासों में महिला अभ्यर्थियों को प्रथम वरीयता दी जाएगी। चयन हेतु सेवानिवृत्त अध्यापक (ग्रेड प्रथम/द्वितीय) एवं योग्य निजी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। गेस्ट फैकल्टी को मानदेय के रूप में कक्षा 9 एवं 10 के लिए ₹350 प्रतिदिन (अधिकतम ₹9100 प्रतिमाह) वहीं कक्षा 11 एवं 12 के लिए ₹400 प्रतिदिन (अधिकतम ₹10400 प्रतिमाह) देय होगा। सेवाएँ मार्च 2026 तक ली जाएंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र मय आवश्यक दस्तावेज ब्लॉक स्तर पर स्थित ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी के कार्यालय में 17 अक्टूबर 2025 को सायं 5 बजे तक जमा करवा सकते हैं। उप निदेशक डॉ. पवन पूनिया ने बताया कि प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच चयन समिति द्वारा की जाएगी तथा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं प्राप्तांकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार कर पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

शिविरो में आमजन की समस्याओं का समाधान

-विभिन्न योजनाओं में हो रहे लाभान्वित

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार एवं जिला कलक्टर के निर्देशानुसार ग्रामीण सेवा शिविरो का आयोजन पूरे जिले में ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है। जिसमे आमजन के अनेक कार्य हो रहे है व उनकी समस्याओं का समाधान होकर वे अनेक योजनाओं में लाभान्वित किये जा रहे है। इसी के तहत गुरूवार को जिले के रोहट में ग्राम पंचायत खारड़ा एवं ढाबर में आयोजित किए गए शिविरों को निरीक्षण किया गया। शिविरों में उपखंड अधिकारी पूरण कुमार ने निरीक्षण किया व शिविरों में प्राप्त परिवादों के गुणवतापूर्ण निस्तारण हेतु समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये।

खारडा में शिविर का आयोजन- ग्राम पंचायत खारड़ा के शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 510 किसानों को गिरदावरी एप के बारे में जानकारी देकर 215 किसानों से एप डाउनलोड करवाया एवं आपसी सहमति के 04 प्रकरणों, 53 फॉर्मर रजिस्ट्री कार्ड के प्रकरणों, शुद्धिकरण के 09 प्रकरणों, जाति प्रमाण पत्र के 17 आवेदनों का निस्तारण किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 03 आवेदन पालनहार योजना में प्राप्त किए। चिकित्सा विभाग द्वारा 21 टीबी स्कैनिंग, 408 एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। विद्त विभाग द्वारा विद्त सप्लाई/त्रुटिपूर्ण मीटर संबंधी 06 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 673 पशुओं का टीकाकरण किया गया। रसद विभाग द्वारा 46 यूनिट्स की ई केवाईसी की गई। कृषि विभाग द्वारा 04 प्रधानमंत्री फसल बीमा पॉलिसी वितरित की गई।

ढाबर में शिविर में अनेक कार्य हुये- ग्राम पंचायत ढाबर के शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 305 किसानों को गिरदावरी एप के बारे में जानकारी देकर 95 किसानों से एप डाउनलोड करवाया, 10 फॉर्मर रजिस्ट्री कार्ड के प्रकरणों, शुद्धिकरण के 02 प्रकरणों, मूल एवं जाति प्रमाण पत्र के 18 आवेदनों का निस्तारण किया गया। पंचायतीराज विभाग द्वारा 25 स्वामित्व कार्ड/पट्टे वितरित किए गए। चिकित्सा विभाग द्वारा 21 टीबी स्कैनिंग, 445 एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। विद्त विभाग द्वारा 05 त्रुटिपूर्ण मीटर/विद्त सप्लाई संबंधी प्रकरणों का निस्तारण किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 432 पशुओं का टीकाकरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा 06 प्रधानमंत्री फसल बीमा पॉलिसी वितरित की गई।

स्वरोजगार के लिए ऑनलाईन ऋण आवेदन की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढाई गई

पाली (रॉयल पत्रिका)। अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम (अनुजा निगम) पाली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय निगमों की ऋण योजनाओं में अनुसूचित जाति वर्ग के 24 अनुसूचित जन जाति वर्ग के 16, विशेष योग्यजन वर्ग के 24, सफाई कर्मचारी या स्वच्छकार वर्ग के 14 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के 24 व्यक्तियों को स्वरोजगार उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न व्यवसाय, उद्योग, सेवा क्षेत्र आदि के लिए यथा किराणा दुकान, सिलाई कटिंग, भैंस व गाय पालन, कपडा दुकान, फैन्सी स्टोर, कम्प्यूटर जॉब वर्क, ऑटो पार्टर्स, साईकिल मरम्मत, बिजली सामान दुकान, टेंट हाउस, इलेक्ट्रिक बैटरी रिक्शा आदि के लिए अनुजा निगम पोर्टल पर ऑनलाईन ऋण आवेदन पत्र दिनांक 30 सितम्बर 2025 तक आमन्त्रित किये गये थे जिसे बढाकर आवेदन की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक कर दी गई हैं।

गेहूं बुवाई से पहले पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होगी डीएपी उर्वरक

-10 दिनों में 6600 मी.टन की आपूर्ति

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में डीएपी उर्वरक की आपूर्ति व वितरण व्यवस्था को लेकर संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि अक्टूबर माह की वास्तविक मांग 9500 मीट्रिक टन है। इसके विरुद्ध जिले में 10 अक्टूबर, 2025 तक 6600 मीट्रिक टन की आपूर्ति की जा चुकी है। जिले में गेहूं बुवाई से पहले पर्याप्त मात्रा में डीएपी उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। अक्टूबर माह के पहले दस दिनों में ही जिले में 4440 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध था। इसके अतिरिक्त 11 अक्टूबर को सीएफसीएल से 1260 मीट्रिक टन तथा एनएफएल से 900 मीट्रिक टन यानी कुल 2160 मीट्रिक टन की आपूर्ति होने जा रही है। इस प्रकार किसानों को मांग के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है। ब्लॉकवार विवरण के अनुसार हनुमानगढ़ में 1025 मी.टन, संगरिया में 747.5 मी.टन, पीलीबंगा में 857 मी.टन, टिब्बी में 515.5 मी.टन, रावतसर में 539.5 मी.टन, नोहर में 365.5 मी.टन तथा भादरा में 390 मी.टन डीएपी की उपलब्धता दर्ज की गई है। डॉ. यादव ने बताया कि डीएपी वितरण विभागीय अधिकारियों और कार्मिकों की देखरेख में किया जा रहा है। अधिक भीड़ की स्थिति में किसानों को लाइन लगवाकर व्यवस्थित रूप से उर्वरक दिया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी किसान को उर्वरक के लिए परेशान न होना पड़े। डीएपी की बढ़ी हुई मांग का मुख्य कारण आगामी माह में गेहूं की बुवाई है। किसान अभी से आवश्यक उर्वरक क्रय करना चाहते हैं, जिससे बुआई के समय पर्याप्त रहे। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे घबराहट में अनावश्यक जमाखोरी न करें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर डीएपी प्राप्त करें। इस सीजन में 28000 मेट्रिक टन डीएपी की खपत अनुरूप डिमांड की गई है, डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही है।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने किया केन्द्रीय कारागृह का औचक निरीक्षण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव मागो (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर द्वारा गुरूवार को केन्द्रीय कारागृह, श्रीगंगानगर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर भी साथ रहे। कारागृह का निरीक्षण अधीक्षक महावीर प्रसाद मीणा द्वारा करवाया गया। निरीक्षण के दौरान सेशन न्यायाधीश संजीव मागो द्वारा अलग-अलग बैरकों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सजाबंदियों व विचाराधीन बंदियों से वार्ता कर जेल में मिलने वाले भोजन, पानी व चाय की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। सभी बंदियों द्वारा कारागृह में भोजना अच्छा मिलना बताया गया। इस दौरान कारागृह में स्थित बैरकों में रंग-रोगन का कार्य होना पाया गया। कारागृह में साफ-सफाई सम्बंधी कोई शिकायत नहीं मिली। कारागृह में उद्योगशाला बैरक व आईटीआई के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण के बारे में देखा गया। उद्योगशाला में निवार बनवाये जाने का कार्य चलना पाया गया। एडीजे रवि प्रकाश सुथार द्वारा बंदियों से उनके प्रकरणों में पैरवी हेतु अधिवक्ता के बारे में पूछा गया तो समस्त बंदियों के पास अपने प्रकरणों में अधिवक्ता होना पाया गया। एडीजे सुथार द्वारा बंदियों को विधिक सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर जागरूक भी किया गया ताकि कोई भी बंदी विधिक सहायता से वंचित ना रह पाये। कारागृह में भोजन की गुणवत्ता व डाइट स्केल की जांच की तो बंदीगण द्वारा कोई शिकायत नहीं की गई। सजाबंदियों की परिजनों से वार्ता करवाने हेतु प्रत्येक वार्ड के बाहर ही एसटीडी की सुविधा होना पाई गई।

जिला कलक्टर ने रायसिंहनगर में किया ग्रामीण सेवा शिविरों का अवलोकन

-ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर किया समाधान

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। रायसिंहनगर उपखण्ड की ग्राम पंचायत 3 एमके और उड़सर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का गुरूवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा निस्तारण करने के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का निपटारा उनके गांव में ही हो, इसके लिये अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ ग्रामीण क्षेत्र की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करना चाहिए। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आयोजित शिविरों में आने वाली समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाये। शिविरों का उदद्देश्य यहीं है कि ग्रामीणों के काम उनके गांव में ही कर दिये जाये, जिससे उन्हें अनावश्यक मुख्यालय तक नहीं आना पड़े। शिविर में लाभार्थियों में पट्टों का वितरण किया गया। साथ ही अब तक प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर द्वारा समस्त विभागीय अधिकारियों को आमजन को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर एडीएम सतर्कता श्रीमती रीना, उपखण्ड अधिकारी सुभाष चन्द्र सहित अन्य मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा दल की लगातार कार्यवाही

-5 खाद्य पदार्थों के लिए नमूने

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री मिले इसके प्रदेश भर में लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। मिलावट खोरो के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। राज्य सरकार की मंशा अनुरूप शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों के लगातार नमूने भी लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा आयुक्त टी शुभमंगला और जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.धर्मसिंह मीणा द्वारा गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम गोदी का पुरा तहसील मनिया से दो मावे के एवं एक बर्फी मावा मिठाई का नमूना लिया गया, श्रीकांत डेयरी माहुरी से दो मावे के नमूने लिए गए जिनको जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया की जांच रिपोर्ट में मिलावट पाएं जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 को तहत कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया की दीपावली के त्यौहार तक लगातार मिलावट के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

जिला कलक्टर ने ली आपदा प्रबंधन पर बैठक

-अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की तात्कालिक मरम्मत पर हुई चर्चा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। प्राकृतिक आपदाओं में अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की तात्कालिक मरम्मत के लिए तकनीकी स्वीकृतियों के संबंध में जिला कलक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष लोकबंधु की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपखंड स्तरीय समितियों द्वारा प्राप्त विभिन्न विभागों की क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आपदा प्रभावित परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं पुनस्र्थापन कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। इससे प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन शीघ्र बहाल हो सकेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से जर्जर भवनों के स्वीकृत प्रस्तावों के तकनीकी स्वीकृति जारी करने एवं दिवाली पूर्व कार्य आरम्भ करने के निर्देश दिए। इसमें सड़क सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागवार प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार जिले में कुल 1312 परिसंपत्तियाँ अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त पाई गई हैं। इन पर लगभग 2575.35 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें शिक्षा विभाग के 707 विद्यालय भवन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 29 प्राथमिक एवं 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सार्वजनिक निर्माण विभाग के 220 सड़क कार्यों, 198 आंगनबाड़ी भवनों, पंचायत राज विभाग की 23 परिसंपत्तियाँ तथा अन्य विभागों की भी परिसंपत्तियाँ सम्मिलित हैं। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सुनिश्चित करें कि प्रस्तावित मरम्मत कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएँ। उन्होंने कहा कि उपखंड स्तरीय समिति द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को बजट स्वीकृति प्राप्त होने पर क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की मरम्मत की जाएगी।

जिला कलक्टर ने सेवा शिविरों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की ली समीक्षा बैठक

-समयबद्ध निस्तारण एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित हो रहे शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक गुरुवार को जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने शिविरों में हो रहे कार्यों की विभागवार समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवा शिविरों के माध्यम से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लंबित प्रकरण नहीं रहे। ऐसे ग्राम एवं शहरी क्षेत्र जहां शिविर आयोजित हो चुके है वहां के शेष आवेदनों का समाधान करने के लिए फॉलो-अप शिविर आयोजित कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिविरों से संबंधित समस्त प्रकरणों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाए और लंबित ऑनलाइन प्रकरणों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जाए। इसके लिए विभागीय अधिकारी दैनिक आधार पर रिपोर्ट प्रेषित करें तथा निस्तारण प्रगति की सतत मॉनिटरिंग करें। लोकबंधु ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी बजट घोषणाओं से संबंधित वस्तुस्थिति की जानकारी अद्यतन करें। विभागीय स्तर पर लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए और राज्य स्तर पर लंबित मामलों के निस्तारण के लिए समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने संपर्क पोर्टल, सीपीग्राम्स एवं मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के निस्तारण को भी प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-फाइल प्रणाली के अंतर्गत लंबित फाइलों एवं डाक का निस्तारण भी निर्धारित समयसीमा में किया जाए। उन्होंने क्षेत्रीय विकास योजनाओं के अंतर्गत लंबित उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं कार्य पूर्णता रिपोर्ट शीघ्र प्रेषित करने तथा जो कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं उन्हें तुरंत प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आपदा प्रबंधन के अंतर्गत क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं पैच वर्क कार्य दिवाली से पूर्व पूर्ण कर लिया जाएं। साथ ही जर्जर भवनों की तात्कालिक मरम्मत और फसल खराबे के सर्वे एवं गिरदावरी का कार्य भी समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सेवा शिविरों में पट्टा वितरण, नामांतरण, नगरीय विकास कर, सीवरेज कनेक्शन, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, पीएम स्वनिधि योजना, स्ट्रीट लाइट लगाना, भवन मानचित्र स्वीकृति और ऑनलाइन आवेदनों का निस्तारण जैसे कार्य प्रभावी रूप से संचालित किए जाएं।

सचिव रेखा यादव ने विशेष योग्यजन बच्चों के लिए आयोजित की विभिन्न प्रतियोगिता

-विजेताओं को नगद पुरुस्कार, मैडल एवं प्रमाण-पत्र किए वितरित

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विशेष रूप से सक्षम बच्चों में खेल-कूद प्रतियोगिता 2025 का पुरस्कार वितरण अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश अरुण कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव की अध्यक्षता में मयूरी विशेष विद्यालय धौलपुर में किया गया। कार्यक्रम में सचिव द्वारा लंबी-कूद में प्रथम विजेता निशांत सिंह को 400 रुपये नगद पुरस्कार एवं गोल्ड मेडल तथा प्रमाण-पत्र, द्वितीय विजेता रोहित को 300 रुपये नगद पुरस्कार एवं सिल्वर मेडल तथा प्रमाण-पत्र, तृतीय विजेता रहे जिज्ञांस मथुरिया को 200 रुपये नगद पुरस्कार एवं ब्रॉन्ज मेडल तथा प्रमाण-पत्र वितरित किया। बैडमिंटन में प्रथम रहे निशांत सिंह को 400 रुपये नगद पुरस्कार गोल्ड मेडल एवं प्रमाण-पत्र, द्वितीय रहे वैष्णवी सिंह चौहान को 300 रुपये नगद पुरस्कार एवं सिल्वर मैडल तथा प्रमाण-पत्र, तृतीय रहे आलोक को 200 रुपये नगद पुरस्कार एवं ब्रोंच मैडल तथा प्रमाण-पत्र वितरित किया। पेंटिंग प्रतियोगिता मे प्रथम रहे आलोक को 400 रुपये नगद पुरस्कार एवं गोल्ड मेडल तथा प्रमाण-पत्र, द्वितीय रहे वैष्णवी सिंह चौहान को 300 रुपये नगद पुरस्कार एवं सिल्वर मेडल तथा प्रमाण-पत्र, तृतीय रहे अजय कुमार को 200 रुपये नगद पुरस्कार एवं ब्राउन मैडल तथा प्रमाण-पत्र वितरित किया। इसी प्रकार कैरम मे प्रथम रहे प्राची को 400 रूपये नगद पुरूस्कार एवं गोल्ड मैडल तथा प्रमाण-पत्र, द्वितीय रहे हर्षवर्धन को 300 रूपये नगद पुरूस्कार एवं सिल्वर मैडल तथा प्रमाण-पत्र एवं तृतीय रहे प्रतिष्ठा को 200 रूपये नगद पुरूस्कार एवं ब्राउन्ज मैडल तथा प्रमाण-पत्र का वितरण किए गए साथ ही प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

पुष्कर क्षेत्र के गांव बनेंगे स्मार्ट गांव- रावत

-मंत्री रावत ने ग्राम पंचायत भूडोल एवं रसूलपुरा में 394.41 रूपये लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण कर जनता को किया समर्पित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर के लोकप्रिय विधायक सुरेश सिंह रावत ने गुरुवार को ग्राम पंचायत भूडोल एवं रसूलपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कुल 394.41 रूपये लाख रुपए की लागत से पूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव को चिकित्सा, शिक्षा, स्वच्छता, रोजगार और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट गांव बनाना मेरा संकल्प है। विकास के हर कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जनभागीदारी सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता है।

बनाएंगे स्मार्ट गांव-

अपने उद्बोधन में रावत ने कहा कि राजस्थान सरकार गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंचा रही है। प्रत्येक परिवार को शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। भूडोल और रसूलपुरा जैसे गांव अब विकास की नई पहचान बन रहे हैं। जनता के विश्वास और सहयोग से विकसित पुष्कर का सपना शीघ्र साकार होगा। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य श्रवण सिंह रावत ने कहा कि मंत्री सुरेश सिंह रावत के नेतृत्व में पुष्कर क्षेत्र निरंतर विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। गांवों से लेकर शहर तक हर स्तर पर सेवा, सुविधा और समर्पण का संगम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत-

शिविर स्थल पर पहुंचने पर मंत्री रावत का ग्रामीणों ने पारंपरिक उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया। ढोल-ढमाकों की गूंज और 51 किलो की विशाल फूलमाला से अभिनंदन करते हुए लोगों ने अपने लोकप्रिय जनप्रतिनिधि का उत्साह एवं उल्लास के साथ अभिनंदन किया।

पुष्कर मेला 2025 जिला कलक्टर लोक बन्धु ने ली तैयारियों की समीक्षा बैठक

-सुरक्षा एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देवे- लोकबंधु

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। पुष्कर मेला 2025 की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेला क्षेत्र की सुरक्षा, स्वच्छता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा पशु प्रतियोगिताओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि पुष्कर मेले की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन के महत्व को देखते हुए समस्त विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने आने वाले दर्शकों के लिए बैठने एवं आगमन के समुचित बंदोबस्त किए जाएँ। जन समूह को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्थाएँ भी रखी जाएँ। इससे किसी प्रकार की असुविधा एवं अव्यवस्था उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरोवर में जल स्तर अधिक होने के कारण सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतज़ाम किए जाएँ। घाटों पर रस्से, सुरक्षा उपकरण, गोताखोरों, सिविल डिफेंस एवं एसडीआरएफ कार्मिकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। रात्रि के समय विशेष सतर्कता रखी जाए तथा पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम का संचालन सुचारू रूप से किया जाए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि एंट्री प्लाजा एवं मेले क्षेत्र का सौन्दर्यकरण, साज-सज्जा एवं साफ-सफाई के कार्य समय पर पूर्ण किए जाएँ। वीआईपी मूवमेंट के दौरान सुगम आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँ। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में लगाए गए कैमरे पूर्ण रूप से संचालित रहें तथा पुलिस जाब्ते को नियमित रूप से ब्रीफ किया जाए। सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने पशु प्रतियोगिताओं की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि सभी अश्व प्रतियोगिताएँ नए मेला मैदान में आयोजित की जाएँगी। पशुपालकों को समय पर सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इससे अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।

गिव अप अभियान की ऐतिहासिक सफलता, 37 लाख से अधिक अपात्रों ने स्वप्रेरणा से छोड़ी खाद्य सुरक्षा

-31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान’

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित गिव अप अभियान प्रदेश में सामाजिक न्याय, स्वैच्छिक त्याग की भावना व गरीबों की सेवा की आदर्श मिसाल बनकर उभरा हैं। यह अभियान न केवल आमजन की नैतिकता और संवेदना आधारित सोच को उजागर कर रहा है, बल्कि सहभागिता का मार्ग भी दिखा रहा है। गिव अप अभियान निर्धन के हक में कोई सेंधमारी न हो, इस भावना को सामाजिक कर्तव्य में बदल रहा है। ‘सक्षम लोगों का त्याग बन रहा गरीबों का निवाला, 37 लाख से अधिक ने किया गिव अप, 65 लाख से अधिक नए पात्र जुड़े’ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का मुख्य उद्देश्य सेवा और संवेदनशीलता के साथ निर्धन के हक को उस तक पहुंचाना हैं। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में वास्तविक हकदारों तक लाभ पहुंचाने के लिये खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में असल हकदारों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किये गये गिव अप अभियान में लगभग 37.62 लाख अपात्र लोगों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ी गई है। गिव अप अभियान के द्वारा अपात्रों द्वारा खाद्य सुरक्षा छोड़ने के साथ साथ प्रदेश में 27 लाख से अधिक लोगों द्वारा ई केवाईसी संपन्न नहीं करवाई गई, इससे स्वत उनका नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हट गया। इस प्रकार खाद्य सुरक्षा सूची में नए पात्र व्यक्तियों के लिए जगह बनी। 26 जनवरी 2025 को माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के कर कमलों से खाद्य सुरक्षा पोर्टल के पुन प्रारंभ होने के बाद अब तक 65.25 लाख नए पात्र लाभार्थी खाद्य सुरक्षा से जोड़े जा चुके हैं। राज्य सरकार के इस कदम से खाद्य सुरक्षा का लाभ वास्तविक वंचितों को मिल रहा है। इसके साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत प्रति वर्ष 450 रुपए में 12 गैस सिलेंडर, मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत 10 लाख रुपए का सुरक्षा बीमा एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क चिकित्सा भी मिल रही है। गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार के इस कल्याणकारी कदम से वंचित लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठ रहा है एवं वे मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने 10 लाख नए लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने की बजट घोषणा की थी। इस लक्ष्य को बजट सत्र के दौरान ही विभाग द्वारा पूरा कर लिया गया। गिव अप अभियान की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए इसकी अवधि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है।

संभागीय आयुक्त ने किया ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण

-अधिकारियों को दिये आमजन को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशानुसार जिले में जारी ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहरी सेवा शिविर का सूरतगढ़ क्षेत्र में संभागीय आयुक्त बीकानेर विश्राम मीणा द्वारा गुरूवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान संभागीय आयुक्त द्वारा निरीक्षण करते हुए अब तक की प्रगति और शिविर में उपलब्ध करवाई जा रही विभागीय सेवाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उपखण्ड सूरतगढ़ की ग्राम पंचायत करड़ू में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में पहुंचकर संभागीय आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा के अनुसार शिविरों के माध्यम से आमजन को राहत पहुंचाई जाये। उनकी समस्याओं का निस्तारण करते हुए मौके पर ही कार्यों को पूर्ण करें।

इस अवसर पर टिब्बा क्षेत्र के किसानों ने संभागीय आयुक्त से मुलाकात कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का क्लेम दिलवाने की मांग करते हुए घग्घर में छोड़े जा रहे पानी की समस्या से अवगत करवाया। मौके पर ही संभागीय आयुक्त द्वारा एडीएम सूरतगढ़ सहित अन्य अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाहियों के लिये निर्देशित किया गया। इसी प्रकार वार्ड नम्बर 15 स्थित राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर संभागीय आयुक्त द्वारा अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली गई।

शिक्षाविद् हाजी रसूल खां अखाण ने दुनिया ए फ़ानी को कहा अलविदा शुक्रवार को किया सुपुर्द-ए- ख़ाक

मोहम्मद अली पठान

चूरू । जिला मुख्यालय पर शिक्षाविद् हाजी रसूल खां अखाण इस दुनिया -ए-फ़ानी को अलविदा कह गए । आपका आज सुबह इंतकाल हो गया आपका जनाजा दिन में निवास स्थान आथुना मोहल्ला से पंखा सर्किल नई कब्रिस्तान ले जाया गया । जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने जनाजे में शिरकत की जनाजे में सर्व समाज के लोग काफी संख्या में रहे। आपका समाज के अलावा सभी समाजों में अच्छा तालमेल रहा और समाज सेवा की आप एक बेहतरीन शख्शियत के धनी थे । आपने समाज एवं अनेक संस्थानों में कार्य किया आप शिक्षा विभाग से प्रधानाचार्य के पद से रिटायर हुए। और समाज सेवा की। आपके निधन की खबर से शहर व समाज में एक शोक की लहर दौड़ गई। काफी संख्या में राजनेताओं व कर्मचारियों ने शोक व्यक्त किया।

करवाचौथ से पहले प्रियंका ने लगाई पति निक के नाम की मेहंदी

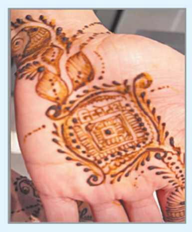

अ देशभर में शुक्रवार को करवाचौथ का फेस्टिवल सेलिब्रेट किया जाएगा। सुहागिन महिलाओं ने फेस्टिवल की तैयारी भी शुरू कर दी है। ऐसे में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस के नाम की मेहंदी अपने हाथों पर रचा ली है और सोशल मीडिया पर प्यारा सा वीडियो शेयर किया है। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो में प्रियंका अपने हाथों की मेहंदी का डिजाइन फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस ने मेहंदी पर निक का नाम भी लिखवाया है। सिर्फ प्रियंका ने ही नहीं, बल्कि उनकी बेटी मालती ने भी अपने नन्हें हाथों में मेहंदी लगाई है। मालती के क्यूट छोटे हाथ बहुत ही प्यारे लग रहे हैं। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, शिरीन चारनिया, इस करवाचौथ पर आपकी पसंद का काम कर रही हूं .बता दें कि शिरीन चारनिया मेहंदी आर्टिस्ट हैं, जिन्होंने कई सेलिब्रिटीज को मेहंदी लगाई है। प्रियंका पहले भी कई इंटरव्यू में खुलासा कर चुकी हैं कि निक उनके धर्म का बहुत सम्मान करते हैं और वह भी ईसाई धर्म के हर रीति-रिवाज को निभाती हैं। उनके घर में दोनों धर्मों के त्योहारों को तवज्जो दी जाती है और मालती को भी वह दोनों धर्मों की शिक्षा दे रही हैं। निक और प्रियंका की जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में साल 2018 में शादी हुई थी। कपल ने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी, जिसके बाद साल 2022 में सेरोगेसी से कपल ने मालती को जन्म दिया। एक्ट्रेस ने अपनी मां के कहने पर एग फ्रिज करा लिए थे। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी शेयर की थी जिसमें प्रियंका और निक की बॉन्डिंग साफ दिख रही थी। एक्ट्रेस आराम से बैठी हैं और निक खड़े होकर उनके बाल बना रहे हैं।

एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ

एक रोमांचक नए सहयोग में क्राफ्टन के बीजीएमआई का बने चेहरा

बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया ने आज बॉलीवुड के एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ को BGMI का आधिकारिक चेहरा घोषित किया है, जो उनके बेजोड़ करिश्मे, फीयरलेस एनर्जी और डायनेमिक पर्सनैलिटी को सीधे बैटलग्राउंड में लेकर आएगा। जिससे यह BGMI की अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक साझेदारियों में से एक मानी जा रही है। यह साझेदारी एक कल्चरल उपलब्धि है, जो सिनेमा और गेमिंग की दुनिया को एकजुट करके BGMI के 240 मिलियन से अधिक गेमर्स के लिए एक शानदार, इमर्सिव अनुभव प्रदान करती है। इस सहयोग पर बात करते हुए, टाइगर श्रॉफ ने कहा, मैं BGMI के साथ सहयोग करने और प्रशंसकों के साथ इस तरह के इंटरैक्टिव तरीके से जुड़ने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। गेमिंग का मतलब ही है – एक्शन, एड्रेनालिन और एनर्जी, और यही तो मेरे फिल्मों और परफॉर्मेंस की पहचान है। अब BGMI के खिलाड़ी वही जोश और वाइब गेम में भी महसूस कर पाएंगे। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ उन्हें मेरे इन-गेम अवतार के साथ एक्शन में देखने का। इसके अलावा, क्राफ्टन इंडिया के बिज़नेस डेवलपमेंट और पार्टनरशिप प्रमुख, सिद्धार्थ मेरोत्रा ने कहा, बीजीएमआई के साथ, हमारा उद्देश्य हमेशा ऐसे पलों का निर्माण करना रहा है जिन्हें न केवल खेला जाए, बल्कि याद भी रखा जाए। टाइगर श्रॉफ के साथ साझेदारी इसी दिशा में एक कदम है - सिनेमा की इंटेंसिटी और गेमिंग के रोमांच को एक ऐसे तरीके से एक साथ लाना जो सीधे भारत के युवाओं से जुड़ता है। यह कोलैबोरेशन खिलाड़ियों को एक ऐसा अनुभव देगा जो व्यक्तिगत, प्रेरणादायक और हमारी कम्युनिटी की ऊर्जा को सटीक रूप में दर्शाता है।

मलाइका ने दी

अरबाज और शूरा को बधाई!

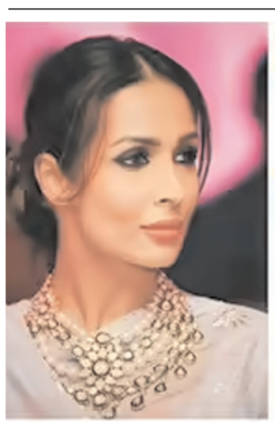

खान फैमिली में इस वक्त खुशियों का माहौल है। अरबाज खान और शूरा खान बेबी गर्ल के माता-पिता बने हैं। इस बीच अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका अरोड़ा ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

अरबाज खान 58 साल की उम्र में दूसरी बार पिता बने हैं। अरबाज की पत्नी शूरा खान ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। शूरा और अरबाज 05 अक्तूबर को पेरेंट्स बने। शूरा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे बेबी गर्ल को लेकर गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंची हैं, जहां खान परिवार ने भव्य स्वागत किया। बेबी गर्ल के जन्म के चौथे दिन अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

मलाइका ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

बता दें कि शूरा खान, एक्टर अरबाज खान की दूसरी पत्नी हैं। अरबाज की पहली शादी मलाइका अरोड़ा से हुई। मगर, 2017 में इनका तलाक हो गया। मलाइका से राहें जुदा होने के बाद अरबाज ने 2023 में शूरा से निकाह किया। 05 अक्तूबर को शूरा और अरबाज ने बिटिया का स्वागत किया। शूरा की बेबी गर्ल के जन्म के चार दिन बाद आज बुधवार को मलाइका ने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तीन रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। इसके साथ उन्होंने कुछ लिखा नहीं है। ऐसे में सोशल मीडिया पर सवाल किया जा रहा है कि क्या इस अंदाज से मलाइका ने अरबाज और शूरा को बधाई दी है।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया.

शूजित सरकार ने दीपिका के आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर दी प्रतिक्रिया, बोले- 'हर कोई फैसला लेने के लिए स्वतंत्र'

'पीकू' फिल्म में दीपिका को डायरेक्ट करने वाले निर्देशक शूजित सरकार ने अभिनेत्री के आठ घंटे शिफ्ट पर प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने आठ घंटे काम करने की शर्त को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। कथित तौर पर दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह भी उनके आठ घंटे शिफ्ट की मांग थी। इसके बाद पिछले दिनों दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से भी बाहर हो गईं। इसके पीछे भी मेकर्स ने काम के प्रति प्रतिबद्धता को ही जिम्मेदार बताया था। अब दीपिका के प्रोशेनलिज्म और आठ घंटे की शिफ्ट पर निर्देशक शूजित सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपिका के साथ 'पीकू' में काम कर चुके शूजित ने अभिनेत्री का समर्थन किया है।

शूजित ने किया दीपिका का समर्थन: बातचीत में शूजित सरकार ने दीपिका के दो बड़ी पैन इंडिया फिल्मों से बाहर होने पर कहा कि मैं हर व्यक्ति के व्यक्तिगत फैसलों का सम्मान करता हूं। वे क्या करते हैं, इसके लिए वो स्वतंत्र हैं। मुझे नहीं पता कि पूरी कहानी क्या है। हालांकि, दीपिका के आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर निर्देशक ने कहा कि कोई बात नहीं। हमें हर व्यक्ति की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। इसलिए उसकी पूरी इज्जत करनी चाहिए। मैं ऐसा ही करता हूं। दीपिका के प्रोफेशनलिज्म पर बात करते हुए शूजित ने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह शानदार हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली हैं।

'पीकू' में शूजित सरकार के साथ दीपिका ने किया काम

दीपिका पादुकोण ने शूजित सरकार के साथ साल 2015 में आई फिल्म 'पीकू' में काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने ही किया था। फिल्म में दीपिका के साथ अमिताभ बच्चन और इरफान खान सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था।

'बंदर' की आलोचनाओं पर

अनुराग ने तोड़ी चुप्पी

अपनी पिछली रिलीज फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चाओं में हैं। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं

स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन 'मीटू' ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही 'निशानची'

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बॉबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। अब बॉबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

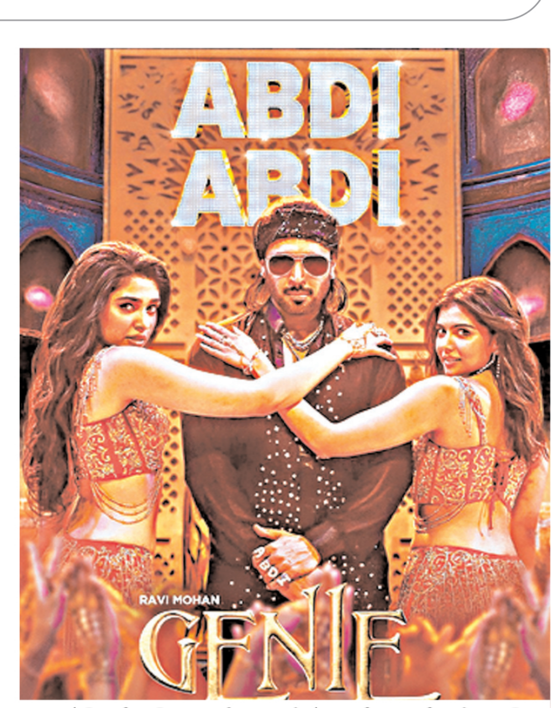

'जिनी' फिल्म के गाने 'अब्दी अब्दी' में कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने शानदार बेली डांस परफॉर्मेंस से मचाई धूम

कृति शेट्टी के फैन्स का इंतज़ार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म जीनी का बहुप्रतीक्षित गाना अब्दी अब्दी आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह किसी विज़ुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी' दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रिहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं।

बच्चों की पढ़ाई और करियर पर बोले बॉबी देओल

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की कामयाबी के बाद बॉबी देओल सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटों आर्यमान देओल और धरम देओल के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेता ने दोनों की शिक्षा और करियर पर अपनी राय रखी है।

उन्होंने बताया है कि कैसे दोनों ने जीवन में बहुत अलग रास्ते चुने हैं। रेडियो नशा से बातचीत में बॉबी देओल ने बताया कि वह हमेशा चाहते थे कि उनके बेटे पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन उनकी पसंद बिल्कुल अलग निकली। उन्होंने हंसते हुए कहा मैं चाहता था कि मेरे बेटे पढ़ाई करें। मेरे छोटे बेटे ने बारहवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी, लेकिन मेरे बड़े बेटे ने जिस भी कॉलेज में आवेदन किया, सभी में उसका चयन हो गया। उसे एनवाईयू स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस में दाखिला मिल गया। मुझे उस कॉलेज के बारे में पता नहीं था, लेकिन जब मैं लोगों को बताता था कि मेरा बेटा उस कॉलेज में पढ़ता है, तो लोग कहते थे, वाह, यह तो कमाल का कॉलेज है। इस पर मैं कहता था कि हां ठीक है।

बॉबी ने यह भी बताया कि उनके बड़े बेटे आर्यमान देओल ने पहले ही इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। उनको फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि वह अभी एक्टिंग में आने की जल्दी में नहीं है। बॉबी ने बताया वह काम कर रहे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं। बहुत सारे ऑफर आ रहे हैं, लेकिन मैं उन्हें तैरना सीखे बिना बीच समंदर में नहीं फेंकना चाहता।

साभार एजेंसी

रोहित और विराट के संन्यास के बाद केएल राहुल पर है बड़ी जिम्मेदारी : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद राहुल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। जियोहॉटस्टार से बात करते हुए पार्थिव पटेल ने कहा, केएल राहुल जिम्मेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी राहुल पर आ गई है। हम उनके कौशल को जानते हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ गेंद को अपने पास आने देते हैं और अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं। यह शैली उन पर पूरी तरह से जंचती है।

अब सबसे जरूरी चीज है गति पकड़ने की उनकी क्षमता, जिसका जिक्र उन्होंने खुद किया है। वह शुरुआत में समय लेते हैं, गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षण का आकलन करते हैं, और फिर आक्रमण करने के लिए सही मौके चुनते हैं। वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत लगभग 36 का है। वह इस आंकड़ों से कहीं बेहतर बल्लेबाज हैं। इस साल उन्हें निरंतरता बनाए रखते देखना उत्साहजनक है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में राहुल ने शतक लगाया था। उन्होंने 100 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड दौरे पर राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। पांच टेस्ट मैचों की 10 पारियों में दो शतक और दो अर्धशतक लगाते हुए 532 रन बनाए थे। केएल राहुल मौजूदा टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा की मौजूदगी में राहुल को बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव का सामना करना पड़ता था।

कभी ओपनिंग और कभी मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ती थी। रोहित के संन्यास के बाद राहुल के लिए टेस्ट में सलामी बल्लेबाज की जगह तय हो गई है और वह पूरी जिम्मेदारी के साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका लय में होना भारतीय टीम के लिए अच्छा है। राहुल 64 टेस्ट में 11 शतक और 19 अर्धशतक की मदद से 3,889 रन बना चुके हैं।

28 महीने से नहीं खेला टेस्ट मैच; आकाशदीप को भी मिला मौका

मोहम्मद शमी की हुई इस टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वेस्टइंडीज सीरीज में मौका नहीं मिलने और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जारी वनडे टीम से भी बाहर रहने के बाद उनके करियर पर कई प्रश्न चिन्ह लग रहे थे। मगर अब शमी एक बार फिर से मैदान पर लौटने को तैयार हैं। 35 वर्षीय भारतीय तेज गेंदबाज ने भले ही 28 महीने से टेस्ट मैच नहीं खेला हो लेकिन अब उनकी रेड बॉल क्रिकेट में वापसी होने वाली है। शमी को आगामी रणजी ट्रॉफी 2025 के लिए बंगाल के 17 सदस्यीय स्क्वाड में चुना गया है। उनके साथ आकाशदीप को भी मौका मिला है। जबकि इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है अभिमन्यु ईश्वरन को जो लंबे समय से टीम इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वह इंग्लैंड दौरे पर भारतीय स्क्वाड का हिस्सा थे, मगर वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना गया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को उपकप्तान बनाया गया है। शमी और आकाशदीप के आने से बंगाल का स्क्वाड काफी मजबूत नजर आ रहा है। गौरतलब है कि शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में खेला था। हाल ही में दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में भी वह नजर आए थे।

क्रिकेटर रिंकू सिंह को मिली डी-कंपनी की धमकी, 10 करोड़ की फिरौती की डिमांड...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. उनसे दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी का नाम लेकर 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई. पुलिस ने इस मामले में क्रिकेटर रिंकू को धमकी देने वाले आरोपी से पूछताछ की, जिसके बाद इस बात का खुलासा हुआ. दरअसल, रिंकू सिंह से भी फिरौती मांगी गई है, इस बात का खुलासा मुंबई पुलिस की जांच में हुआ. ध्यान रहे दिवंगत एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी देने के मामले में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद दिलशाद नौशाद गिरफ्तार हुआ था, उससे पूछताछ में यह बात सामने आई. नौशाद ने पूछताछ के दौरान खुलासे में बताया कि उसने भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से भी 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी. सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि दिलशाद ने रिंकू सिंह के इवेंट मैनेजर को भी धमकी भरा ईमेल भेजा था. दोनों मामलों में आरोपी ने खुद को डी-कंपनी का सदस्य बताते हुए फिरौती न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी. मुंबई पुलिस ने इस मामले में पहली बार बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के दरभंगा निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद दिलशाद नौशाद को त्रिनिदाद और टोबैगो से प्रत्यर्पित किया था.

शुभमन गिल को पहले से पता था! टीम इंड़िया के नए ओडीआई कप्तान का बड़ा खुलासा

जाने वाली है रोहित शर्मा की कैप्टेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल अब भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के कप्तान हैं. 4 अक्टूबर को गिल को वनडे टीम की कमान देने की घोषणा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने की थी. वहीं रोहित से वनडे क्रिकेट की कप्तानी छीने जाने को लेकर कई सवाल भी उठे थे. सवाल यह है कि आखिर उनकी शागिर्दी में खेले टीम इंड़िया के किसी खिलाड़ी का रिएक्शन क्यों नहीं आया. सबसे बड़ा सवाल इस बात का भी था कि आखिर नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने इस पूरे मसले पर चुपचाप क्यों रहे?

इन तमाम सवालों के बीच आखिरकार शुभमन गिल ने दिल्ली में आज (9 अक्टूबर) वेस्टइंडीज संग दूसरे टेस्ट मैच (10 अक्टूबर से होना) से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जहां उन्होंने इशारों-इशारों में यह कह दिया कि उनको रोहित शर्मा के वनडे कप्तान से हटने की जानकारी पहले से ही थी. वनडे कप्तानी मिलने पर गिल ने कहा- पहले टेस्ट (वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में) के बाद इसका ऐलान हुआ था, लेकिन मुझे इसके बारे में थोड़ा पहले ही पता चल गया था. भारत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है.

रोहित भाई से बॉन्डिंग की प्रेरणा लूंगा: शुभमन गिल अब टीम इंडिया के नए ODI कप्तान बन चुके हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि वो अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के शांत स्वभाव और टीम में बनाए गए आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं. रोहित भाई की शांत प्रकृति और जिस तरह उन्होंने टीम में दोस्ती का माहौल बनाया, मैं उसे अपनाना चाहता हूं.

रोहित-कोहली खेलते रहेंगे वनडे, गिल ने किया साफ

नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने यह भी साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है. दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं. कोहली लंदन में हैं, जबकि रोहित शर्मा मुंबई में अपने घर पर हैं. दोनों 15 अक्टूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. गिल ने कहा, इन दोनों ने भारत के लिए अनगिनत मैच जिताए हैं. बहुत कम खिलाड़ियों में इतनी स्किल और एक्सपीरियंस होता है, हमें उनकी जरूरत है.

महिला विश्व कपः

पाकिस्तान की शर्मनाक हार, 107 रन से जीती ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के नौवें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने महज 76 के स्कोर पर 7 और 115 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में आएगा, लेकिन नौंवे विकेट के लिए बेथ मूनी और अलाना किंग के बीच रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 221 तक पहुंचा दिया। बेथ मूनी आखिरी गेंद पर आउट हुईं। मूनी ने 114 गेंद पर 11 चौके की मदद से 109 रन की पारी खेली। मूनी का वनडे में पांचवां शतक था। वहीं, अलाना किंग ने 49 गेंद पर 51 रन बनाए। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली वह पहली बल्लेबाज बनीं। पाकिस्तान के लिए नशरा संधु ने 3, कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2, और डायना बेग और सादिया इकबाल ने 1-1 विकेट लिए। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही हुई। पाकिस्तान ने भी 49 पर 6 और 78 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए। ऐसी स्थिति से ऑस्ट्रेलिया निकल गई थी, पाकिस्तान नहीं निकल सकी। पाकिस्तान 36.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। सिद्रा अमीन 52 गेंद पर 35 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। रमीन शमीम ने 15, फातिमा सना और नशरा संधु ने 11-11 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंचे रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने छह पायदान की छलांग लगाई है। 36 वर्षीय जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी, जो उन्होंने इसी साल जुलाई में हासिल की थी। न सिर्फ बल्ले, बल्कि रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से भी सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 4 विकेट हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के चलते जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहली बार 700 रेटिंग अंकों को पार किया है। इस टेस्ट मैच के साथ अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल शामिल हैं, जिन्होंने शतकीय पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में तरक्की की है। केएल राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर आ गए। इस बीच, बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श फरवरी 2024 के बाद पहली बार बल्लेबाजी सूची में टॉप-10 में वापस आ गए हैं। मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाए थे। वहीं, न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन ने माउंट माउंगानुई में सीरीज के पहले मैच में नाबाद 106 रन बनाए, जिससे वह 58 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में अफगान खिलाड़ी नूर अहमद आठ स्थान ऊपर चढ़कर 17वें और मुजीब उर रहमान छह स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आर्कटिक ओपनः

आर्कटिक ओपन से लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदों को जीवित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। वहीं, पेरिस ओलंपिक के

सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी थारुण मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में देश की पुरुष एकल उम्मीदों को जीवंत रखा है। उन्होंने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर उलटफेर किया जबकि लक्ष्य सेन इस साल 10वीं बार पहले दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वातानबे से होगा।

जापान के खिलाड़ी ने लक्ष्य सेन को दी मात

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य को शुरुआत से ही संघर्ष करना पड़ा।

ग्लेन मैक्सवेल ने करवाई सर्जरी, भारत के खिलाफ टी-20 में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलने का मौका पाने के लिए हाल ही में कलाई की सर्जरी करवाई। मैक्सवेल ने नेट प्रैक्टिस के दौरान हुई एक अजीब चोट की वजह से अपनी कलाई में फ्रैक्चर झेला था। इसके कारण वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी ज्ञ20द्ध सीरीज और भारत के खिलाफ पहले दो मैचों से बाहर रहेंगे।

सर्जरी का मकसद

मैक्सवेल ने कहा, सर्जरी कराने का मतलब था कि मेरे पास भारत के खिलाफ सीरीज में खेलने की एक छोटी उम्मीद बनी रहे। अगर सर्जरी नहीं कराता, तो पूरे सीरीज से बाहर होना पड़ता। साथ ही यह मेरे लिए बिग बैश लीग में जल्दी फिट होने का मौका भी देता है।

चोट कैसे लगी

मैक्सवेल ने बताया कि चोट उस समय लगी जब वे मिचेल ओवेन के शॉट को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, शायद यह थोड़ी बदकिस्मती थी। चोट बस हड्डी पर लगी, मांस पर नहीं, इसलिए मैं शुक्रगुजार था कि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

पुनर्वास और भविष्य

मैक्सवेल ने 8 अक्टूबर को कास्ट हटाने के बाद थैरेपिस्ट से मुलाकात की और कलाई के लिए बेसिक मूवमेंट्स और स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज शुरू की। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी बीबीएलमें वे नेट में बड़ी स्ट्राइकर्स को अलग लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करेंगे ताकि चोट का जोखिम कम हो। पहले दो टी20 मैच 29 और 31 अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट समिति ने अभी बाकी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिए हैं कि एशेज टीम के खिलाड़ी अंतिम तीन मैच छोड़ सकते हैं ताकि वे रेड-बॉल क्रिकेट पर फोकस कर सकें।

सिर्फ 886 गेंदों में खत्म हो गया ये टेस्ट मैच, वैभव सूर्यवंशी की टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में धूल चटाकर इतिहास रच दिया है. आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय युवा टीम ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की. इस जीत को खास बनाता है दूसरा टेस्ट मैच, जो सिर्फ 886 गेंदों तक चला और खत्म हो गया, यानी दो दिन के अंदर ही टीम इंडिया ने मुकाबला जीत लिया. इस तरह भारत ने 30 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे कम गेंदों में यूथ टेस्ट मैच जीतने का नया कीर्तिमान स्थापित किया.

वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन: इस सीरीज में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने दो टेस्ट मैचों में कुल 133 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल रहा. वैभव की यह पारी टीम की नींव को मजबूत करने में अहम साबित हुई. उनके साथ-साथ कप्तान आयुष म्हात्रे की रणनीति और गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी ने भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया.

वनडे और टेस्ट, दोनों में ऑस्ट्रेलिया का सफाया: भारत ने सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, बल्कि वनडे सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया को क्लीन स्वीप किया. तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज में भी भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की थी. पहले मैच में भारत की 7 विकेट से जीत हुई. दूसरे मैच में 51 रन से धमाकेदार शानदार जीत दर्ज की और तीसरे मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से धूल चटा दी. भारत का टेस्ट सीरीज में भी यही दबदबा जारी रहा. टीम ने पहला यूथ टेस्ट पारी और 58 रन से जीता, जबकि दूसरा टेस्ट 7 विकेट से अपने नाम किया.

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी पूरी तरह ढही: दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी बेहद कमजोर नजर आई. पहली पारी में उनकी टीम सिर्फ 135 रन ही बना सकी, जिसमें विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने 66 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली. दूसरी पारी में तो पूरी टीम 116 रन पर सिमट गई. भारत को जीत के लिए सिर्फ 81 रन चाहिए थे, जिसे उसने तीन विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया.

1995 का रिकॉर्ड टूटा

इस जीत के साथ भारत ने वेस्टइंडीज का 1995 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, जब विंडीज ने पाकिस्तान को फैसलाबाद में 992 गेंदों के भीतर हराया था. अब भारत के नाम यह उपलब्धि दर्ज हो गई है कि उसने सिर्फ 886 गेंदों में यूथ टेस्ट जीत लिया.

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राजस्थान प्रथम

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत राजस्थान राज्य की सितम्बर माह में देशभर में प्रथम रैकिंग में आने पर प्रसन्नता व्यक्त की है और इसके लिए विभागीय अधिकारियों को बधाई दी है। दिया कुमारी ने राजस्थान प्रदेश को महिला एवं बाल विकास के प्रत्येक क्षेत्र में नम्बर एक बनाने का आह्वान किया है। उपमुख्यमंत्री को विभागीय अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत राजस्थान राज्य ने सितम्बर माह में जारी रैकिंग में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 30 दिवस में लाभार्थियों को नकद लाभ — उक्त रैकिंग योजना अंतर्गत लाभार्थियों के पंजीकरण, लाभार्थियों को भुगतान एवं 30 दिवस में लाभार्थियों को नकद लाभ अंतरण, कुल प्राप्त परिवादों के त्वरित निस्तारण के पैरा मीटर्स पर योजना में समग्र प्रगति के आधार पर जारी की जाती है। 16 लाख से अधिक लाभार्थियों को 552 करोड़ रुपये के लाभ देकर किया लाभान्वित — योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 से अब तक 16 लाख से अधिक लाभार्थियों को 552 करोड़ रुपये के लाभ दिये जाकर लाभान्वित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि उक्त योजना अंतर्गत प्रथम बार गर्भवती हुई महिला को दो किस्तों में 5000 रूपये तथा द्वितीय बार गर्भवती हुई महिला को बालिका के जन्म एवं टीकाकरण पूर्ण करने पर 6000 रूपये की राशि आधार लिंक बैंक/ पोस्ट ऑफिस के खाते में एकमुश्त हस्तांतरित की जाती है।

69 वर्षों का विश्वास

VOCAL FOR LOCAL

OSWAL SOAP GROUP
SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

हैप्पी टच ब्रूम | सिल्वर ब्रूम | डायमंड ब्रूम | गोल्ड ब्रूम

ओसवाल फूल झाड़ू की विशेषताएँ
- मज़बूत हैंडल
- पकड़ने में आसान
- ज़्यादा चले
- मिट्टी कम उड़े
- बेहतर क्वालिटी के घास से बनी
- हर तरह की सतह पर इस्तेमाल योग्य

तीन हैप्पी टच ब्रूम की खरीद पर एक हैप्पी टच ब्रूम **फ्री***

तीन डायमंड ब्रूम की खरीद पर एक डायमंड ब्रूम **फ्री***

तीन गोल्ड ब्रूम की खरीद पर एक गोल्ड ब्रूम **फ्री***

अन्य झाड़ू उत्पाद

ओसवाल सींक झाड़ू (मोती) | ओसवाल सींक झाड़ू (पन्ना) | ओसवाल स्मार्ट प्लास्टिक झाड़ू (प्लेटिनम) | हैप्पी टच झाड़ू (गोल्ड) | हैप्पी टच झाड़ू (डबल डायमंड) | हैप्पी टच झाड़ू (क्वीन)

MercuryDesign.in

Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और **ओसवाल ऐप** डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,